www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

मौसम

अधिकतम तापमान 28.c

27.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 102.705g

चांदी 113,000kg

सोशल मीडिया पर भारत संवाद

https://x.com/BharatSamvad

www.facebook.com/bharatsamvad.in

www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n

E-Paper bharatsamvad.live

2 मतदाता सूचियों में घुसपैठ, चुनाव प्रक्रिया में विदेशी हस्तक्षेप पर लगाम जरूरी

किसान मजदूर संगठन का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन 04

वर्ष :09 | अंक :45 | मुंबई ,मंगलवार ,05 अगस्त 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

कोलकाता के पास एक अपार्टमेंट से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद, एक गिरफ्तार

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में सोमवार को एक आवासीय फ्लैट से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस जब्ती के सिलसिले में फ्लैट के मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके में राहारा स्थित फ्लैट से 15 आग्नेयास्त्र और बड़ी संख्या में कारतूस जब्त किए गए हैं।

दक्षिणी दिल्ली में गेट बंद करने को लेकर किशोर ने माली की गोली मारकर हत्या की

दक्षिणी दिल्ली के फतेहपुर बेरी में एक जायदाद का गेट बंद करने को लेकर सोमवार तड़के 37- वर्षीय एक माली की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। जायदाद की देखभाल का काम करने वाले संतलाल को सीने में गोली लगी। पुलिस ने स्थानीय रियल एस्टेट एजेंट 19-वर्षीय पीयूष यादव को बुजुर्ग माली की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि यह घटना डेरा गांव में श्मशान घाट के पास देर रात करीब दो बजे हुई।

शिबू सोरेन का निधन:पीएम मोदी ने अस्पताल में किए शिबू सोरेन के अंतिम दर्शन, हेमंत को गले लगाकर बंधाया ढांढस

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन का अंतिम संस्कार, रांची ले जाया जा रहा सोरेन का पार्थिव शरीर

निधन

मोदी ने एक्स पर लिखा कि श्री शिबू सोरेन जी को श्रद्धांजलि देने के लिए सर गंगा राम अस्पताल गया। उनके परिवार से भी मिला। मेरी संवेदनाएं हेमंत जी, कल्पना जी और श्री शिबू सोरेन जी के प्रशंसकों के साथ हैं।

एजेंसी

झारखंड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को आज नई दिल्ली स्थित सर गंगा राम अस्पताल में श्रद्धांजलि अर्पित की, जहाँ उनका निधन हो गया। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक संरक्षक शिबू सोरेन का लंबी बीमारी के बाद 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया। दिल्ली स्थित अस्पताल पहुँचे प्रधानमंत्री मोदी ने उनके परिवार के साथ तस्वीरें साझा कीं। एक्स पर साझा की गई एक तस्वीर में प्रधानमंत्री शिबू सोरेन के बेटे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सांत्वना देते हुए दिखाई दे रहे हैं, जो भावुक हो गए थे।

'आज मैं शून्य हो गया हूं', शिबू सोरेन के निधन पर बेटे सीएम हेमंत सोरेन का पोस्ट

रांची: झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन का निधन हो गया है. उन्होंने 81 साल की उम्र में सर गंगाराम अस्पताल में अंतिम सांस ली. शिबू सोरेन के निधन से पूरे देश में शोक की लहर है. वे आदिवासी समाज के बड़े नेता थे. उनके बेटे और झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने उनके निधन की जानकारी देते हुए अपना दुख जाहिर किया. उन्होंने कहा कि आज मैं शून्य हो गया हूं. गौरतलब हो कि दिशोम गुरु काफी लंबे समय से बीमार चल रहे थे. दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था. झारखंड के लोग उनके स्वस्थ होने को लेकर जगह-जगह पूजा और प्रार्थनाएं कर रहे थे.

शिबू सोरेन के सम्मान में राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित, उपसभापति ने बताया विशिष्ट आदिवासी नेता

संसद के उच्च सदन ने सोमवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो के संस्थापक शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनका आज लंबी बीमारी के बाद राष्ट्रीय राजधानी में निधन हो गया। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री के सम्मान में सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि श्री सोरेन एक विशिष्ट आदिवासी नेता थे। दिशोम गुरु के रूप में प्रसिद्ध और जनता के बीच 'गुरुजी' के नाम से लोकप्रिय, वे आदिवासी लोगों के अधिकारों और विकास के संघर्ष में एक अग्रणी आवाज थे।

उत्तर प्रदेश के 17 जिलों में भारी बारिश और बाढ़ से बबार्दी, कई इलाके हुए जलमग्न

उत्तर प्रदेश के 13 जिलों में बाढ़ आयी, वाराणसी और प्रयागराज में गंगा खतरे के निशान से ऊपर

उत्तर प्रदेश में गंगा, यमुना और उनकी सहायक नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। यमुना में आई बाढ़ के कारण फतेहपुर जिले में कानपुर-बांदा मार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। संगम नगरी प्रयागराज के कई प्रमुख इलाके जलमग्न हो चुके हैं, जबकि वाराणसी समेत अन्य शहरों में नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

एजेंसी

देशभर में मॉनसून की दस्तक ने मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदल दिया है। उत्तर भारत, खासकर उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के चलते नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे कई शहरों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। संगम नगरी प्रयागराज के कई प्रमुख इलाके जलमग्न हो चुके हैं, जबकि वाराणसी समेत अन्य शहरों में नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।उत्तर प्रदेश में गंगा, यमुना और उनकी सहायक नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। यमुना में आई बाढ़ के कारण फतेहपुर जिले में कानपुर-बांदा मार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया है।

प्रयागराज में 34 राहत शिविर स्थापित किए गए

जिलाधिकारी प्रयागराज ने जानकारी दी है कि जिले में बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए कुल 34 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं। ये शिविर विभिन्न स्थानों पर बने हैं, जिनकी पूरी सूची संलग्न की गई है।

'अध्यादेश लाने की इतनी जल्दी क्यों थी, गुप्त तरीके से अनुमति क्यों हासिल की गई?'

बांके बिहारी मंदिर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार से पूछा

एजेंसी

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार से पूछा कि वृंदावन स्थित बांके बिहारी मंदिर के प्रबंधन के लिए एक ट्रस्ट बनाने संबंधी अध्यादेश को लेकर इतनी जल्दी क्यों है. साथ ही, कोर्ट ने इस धार्मिक स्थल का प्रशासन एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली समिति को सौंपने का भी संकेत दिया.

सिराज ने खोला पंजा, प्रसिद्ध भी चमके, रोमांचक मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को 6 रनों से हराया

एजेंसी

लंदन। भारत ने उतार-चढ़ाव से भरे बेहद रोमांचक पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के पांचवें दिन सोमवार को यहां मोहम्मद सिराज के करिश्माई प्रदर्शन से इंग्लैंड को छह रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर कर दी

अगर आप सच्चे भारतीय होते, तो ये सब बातें नहीं कहते

चीनी कब्जे वाले बयान पर सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी से कहा

एजेंसी

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर उनकी आलोचना करते हुए कहा कि यदि आप सच्चे भारतीय हैं तो आप ऐसा कुछ नहीं कहते. सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की चीन द्वारा भारत की जमीन पर कब्जा करने संबंधी बयान पर कड़ी टिप्पणी की और उनसे पूछा कि उन्हें संसद में ये मुद्दे उठाने से किसने रोका है. कोर्ट ने पूछा, क्या आपके पास कोई विश्वसनीय सामग्री है? बिना किसी विश्वसनीय सामग्री के आप ये बयान क्यों दे रहे हैं. अगर आप सच्चे भारतीय होते, तो ये सब बातें नहीं कहते.मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए जी मसीह की पीठ ने की. वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी ने पीठ के समक्ष राहुल गांधी का प्रतिनिधित्व किया.

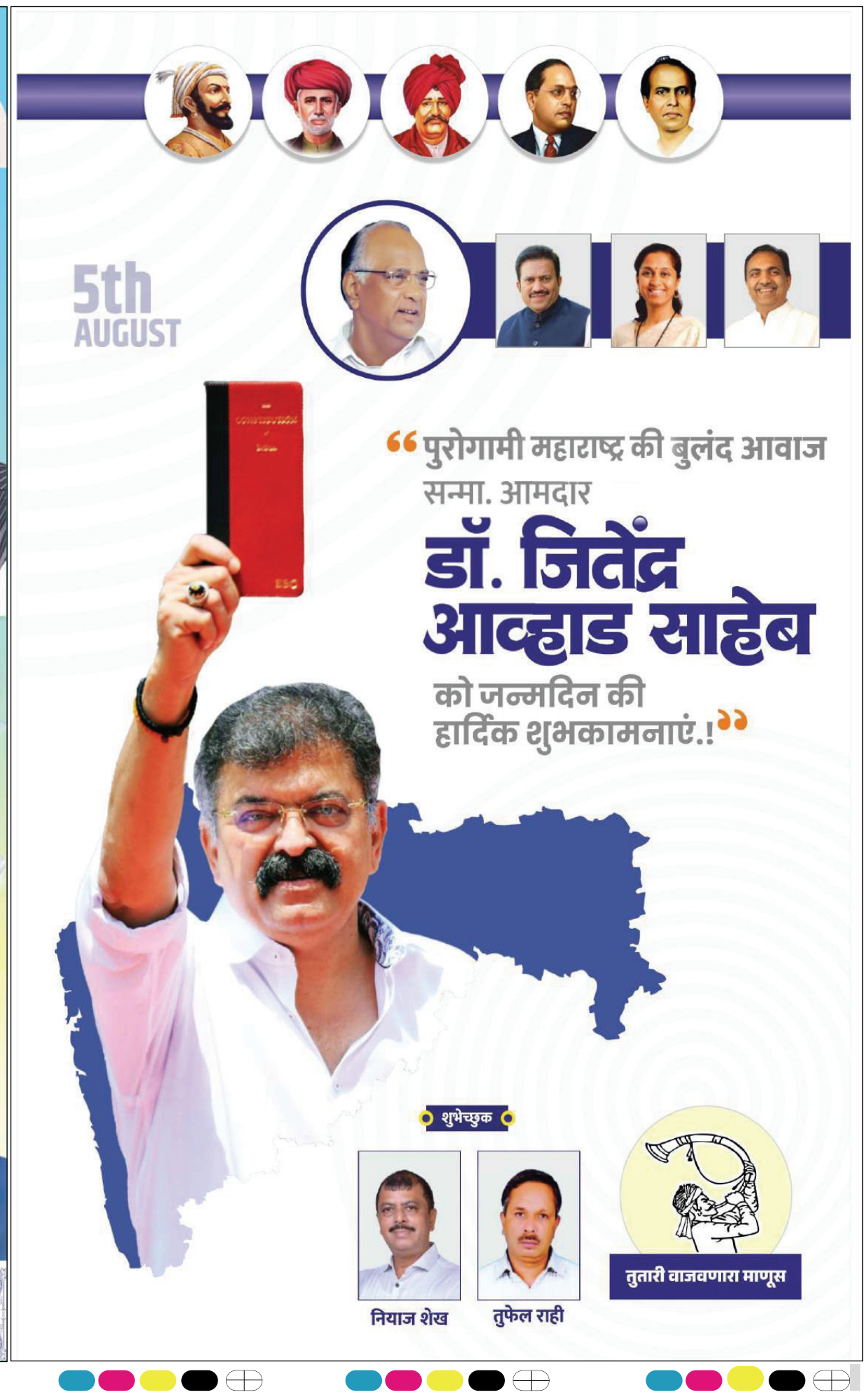

सम्पादकीय

प्राथमिकता में आए मानसिक स्वास्थ्य, समकालीन परिवेश में अधिकांश लोग मानसिक रूप से परेशान

सांसारिक सुख-भोग करना सबको प्रिय है। बाजार और विज्ञापन ने सुख को उपभोग से जोड़कर आग में घी डालने का काम किया है। अब हम अपनी सफलता विकास और सुख अधिकाधिक उपभोग में देखने के आदी हो गए हैं परंतु उपभोग की वस्तुओं को एकत्र करते रहने के बावजूद हम तनाव चिंता दबाव अकेलापन व्यसन या लत असंतुष्टि कुंठा जैसी समस्याओं से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं। स्वस्थ रहना हमारी स्वाभाविक स्थिति होनी चाहिए, पर समकालीन परिवेश में अधिकांश लोगों के लिए यह संभव नहीं हो पा रहा है। शारीरिक रोगों को तो आसानी से पहचान लिया जाता है, परंतु मानसिक रोगों की पहचान और इलाज के लिए विशेष प्रशिक्षण और अध्ययन की आवश्यकता होती है। मनोचिकित्सा को विषय के रूप में मेडिकल कालेजों में साइकियाट्री के अंतर्गत रखा जाता है। इसी से जुड़े विषय क्लिनिकल साइकोलाजी और काउंसिलिंग भी हैं, जो मनोविज्ञान विषय के अंग हैं। भारत में मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं जनसंख्या की दृष्टि से बहुत कम और अपर्याप्त हैं। क्लिनिकल साइकोलाजी के अध्ययन की कुछ चुनिंदा संस्थाएं हैं, जहां जरूरी और प्रामाणिक प्रशिक्षण दिया जाता है। इस दृष्टि से एमए करने के बाद क्लिनिकल साइकोलाजी में एमफिल की एक प्रोफेशनल डिग्री का प्रविधान किया गया है। इसके अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य और उपचार के लिए छात्रों को गहन सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके द्वारा मानसिक रोगियों के उपचार के लिए प्रशिक्षुओं को थेरेपी देने के लिए योग्य बनाया जाता है। नई शिक्षा नीति में एमफिल की डिग्री को बंद करने का फैसला लिया गया है। इसके फलस्वरूप अन्य विषयों की तर्ज पर क्लिनिकल साइकोलोजी में भी एमफिल डिग्री को बंद करना होगा। इस एमफिल डिग्री की उपादेयता को अन्य विषयों में एमफिल के बराबर रख कर देखना घातक है। इसे बंद करने से मानसिक स्वास्थ्य की देख-रेख के लिए जो भी थोड़े बहुत मानव संसाधन तैयार हो रहे थे, वह क्रम रुक जाएगा। यह समाज के लिए बड़ा घातक होगा। सरकार इस पर पुनर्विचार करे। मानसिक परेशानी के चलते शारीरिक बीमारियां भी होती हैं। इसी तरह शारीरिक रोग से मानसिक रुग्णता पैदा होती है। शरीर और मन को अलग रखना गलत है, क्योंकि स्वास्थ्य और बीमारी, दोनों ही स्थितियों में ये एक संयुक्त इकाई के रूप में ही काम करते हैं। आज बेरोजगारी, सामाजिक अन्याय, पारिवारिक विघटन, जीवन-हानि और गरीबी जैसी स्थितियां आम आदमी के मानसिक स्वास्थ्य के लिए चुनौती बनती जा रही हैं। कंप्यूटर, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धि जैसे तकनीकी हस्तक्षेपों के चलते कामकाज अधिकाधिक स्वचालित होते जा रहे हैं।

आज का विचार

राशिफल

मेष राशिः दिन कैसा रहेगाः आज का दिन संतुलित रहेगा. बुजुर्गों की सलाह लाभकारी सिद्ध होगी. करियर/ धनः कामकाज सामान्य रहेगा, आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी. ससुराल पक्ष से कोई शुभ समाचार आर्थिक लाभ ला सकता है. उधार या लोन लेने से बचें. पारिवारिक जीवनः पारिवारिक समस्या का समाधान मिलेगा. बुजुर्गों की सलाह से निर्णय लें.

वृषभ राशिः दिन कैसा रहेगाः दिन खुशियों से भरा रहेगा, नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत हैं. करियर/ धनः काम में सकारात्मकता रहेगी, आय में मजबूती आएगी. पुराने मित्र से मुलाकात लाभकारी रहेगी. पारिवारिक जीवनः बच्चों से जुड़ी योजनाएं पूरी होंगी, परिवार में थोड़ी चिंता बनी रह सकती है.

मिथुन राशिः दिन कैसा रहेगाः दिन काफी व्यस्त रहेगा, लेकिन संयम जरूरी है. करियर/धनः काम बेहतर होगा, लेकिन बहस से बचें. निवेश गुप्त रखें तो बेहतर होगा. पारिवारिक जीवनः धार्मिक आयोजन संभव है, घर में मेहमान का आगमन हो सकता है. स्वास्थ्यः मानसिक थकान रह सकती है, आराम जरूरी है.

कर्क राशिः दिन कैसा रहेगाः शानदार दिन रहेगा, मन में नई ऊर्जा महसूस होगी. करियर/धनः नए इनकम सोर्स बन सकते हैं, कार्य में सफलता के योग हैं. पारिवारिक जीवनः माता-पिता के लिए कोई योजना बन सकती है, संबंध मधुर रहेंगे. स्वास्थ्यः क्रिएटिव काम से मानसिक राहत मिलेगी. उपायः चांदी का छोटा सिक्का जेब में रखें.

सिंह राशि : दिन कैसा रहेगाः सुनहरा दिन, मनचाही वस्तु या अवसर मिल सकता है. करियर/धनः करियर में प्रगति होगी, काम योजना के अनुसार पूरे होंगे. पारिवारिक जीवनः परिवार में विवाह योग्य सदस्य के लिए प्रस्ताव आ सकता है.

कन्या राशिः दिन कैसा रहेगाः दिन उत्साह से भरा रहेगा, मेहनत रंग लाएगी.करियर/धनः आर्थिक लाभ होगा, कारोबार में सफलता मिलेगी. पारिवारिक जीवनः बच्चों के साथ अच्छा समय बीतेगा, धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे. स्वास्थ्यः मौसम परिवर्तन से प्रभावित हो सकते हैं, खानपान पर ध्यान दें.

तुला राशिः दिन कैसा रहेगाः भाग्य का साथ मिलेगा, दिन अनुकूल रहेगा. करियर/धनः रुके हुए पैसे मिलने की संभावना है, प्रगति के योग हैं. पारिवारिक जीवनः दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी, रिश्तेदारों से मुलाकात संभव है. स्वास्थ्यः योग और प्राणायाम से लाभ मिलेगा, माता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. उपायः मां सरस्वती का पूजन करें.

वृश्चिक राशिः दिन कैसा रहेगाः दिन काफी व्यस्त रहेगा, कार्यों की भरमार रहेगी. : काम की सराहना होगी, राजनीतिक लोगों के लिए भी चर्चा का दिन. पारिवारिक जीवनः पारिवारिक रिश्तों में मजबूती आएगी, सामाजिक मेलजोल बढ़ेगा.

धनु राशिः दिन कैसा रहेगाः उपलब्धियों और खुशियों से भरा दिन रहेगा. करियर/धनः प्रमोशन या रुका हुआ पैसा मिलने की संभावना है. पारिवारिक जीवनः बच्चों की सफलता से खुशी का माहौल बनेगा. स्वास्थ्यः टेंशन कम होगी, मन प्रसन्न रहेगा.

मकर राशि : दिन कैसा रहेगाः शुभ समाचार मिल सकते हैं, लाभ के संकेत हैं. करियर/धनः कारोबार में मुनाफा होगा, नौकरी में मनचाहा कार्य मिलेगा.पारिवारिक जीवनः किसी सदस्य के विवाह की चर्चा आगे बढ़ सकती है. स्वास्थ्यः स्वास्थ्य में सुधार रहेगा, आत्मविश्वास बढ़ेगा.

कुंभ राशिः दिन कैसा रहेगाः उलझनों को सुलझाने वाला दिन रहेगा, संयम रखें. करियर/धनः आर्थिक स्थिति बेहतर होगी, नए संपर्क बनेंगे. पारिवारिक जीवनः ससुराल पक्ष से सहयोग, विवाह योग्य जातकों को प्रस्ताव मिल सकते हैं.

मीन राशि : दिन कैसा रहेगाः सामान्य दिन रहेगा, फैसले सोच-समझकर लें. करियर/धनः योजनाएं सफल हो सकती हैं, करियर में प्रगति संभव है. पारिवारिक जीवनः भाइयों का सहयोग मिलेगा, बच्चों से खुशी मिलेगी.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मतदाता सूचियों में घुसपैठ, चुनाव प्रक्रिया में विदेशी हस्तक्षेप पर लगाम जरूरी

भारत अब धीरे-धीरे जनकल्याण सेवाओं का दायरा भी फैला रहा है। नागरिकता रजिस्टर बन जाने से एक तो फजीर्वाड़ा करने वाले लोग और घुसपैठिए न तो योजनाओं का अनुचित लाभ उठा पाएंगे और न ही जनादेश को भी प्रभावित कर पाएंगे। हालांकि इसके लिए चुनाव आयोग को मतदाता सूचियों के निरंतर और वार्षिक अद्यतनीकरण की व्यवस्था भी शुरू करनी होगी।

जनतंत्र में जनता चुनावों के जरिये जनादेश देती है। इसलिए चुनाव जनतंत्र की आधारशिला है और चुनावों की विश्वसनीयता यह सुनिश्चित करने पर निर्भर करती है कि मतदान में वही लोग भाग लें जो उसकी अर्हता रखते हों। मतदाताओं की अर्हता लगभग हर लोकतांत्रिक देश में मतदाताओं की आयु, नागरिकता और जिस क्षेत्र का चुनाव हो रहा हो, वहां निवास के प्रमाण के आधार पर तय की जाती है और मतदाता सूचियां बनाई जाती हैं। पुनरीक्षण से इन्हें निरंतर अद्यतन रखने के मामले में आस्ट्रेलिया, कनाडा और जर्मनी को विश्व में आदर्श माना जाता है। आस्ट्रेलिया और कनाडा में मतदाता पंजीकरण और मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण का काम भारत के चुनाव आयोग की तरह केंद्रीय एजेंसियां करती हैं। अमेरिका और ब्रिटेन में इसका दायित्व स्थानीय प्रशासन के पास है जो केंद्र सरकारों के निदेर्शों के आधार पर उसे निभाते हैं। आस्ट्रेलिया और इटली में मतदान के लिए पंजीकरण कराना और मतदान करना अनिवार्य भी है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की बात करें तो निर्वाचन आयोग के अनुसार पिछले साल तक मतदाता सूची में कुल 96 .88 करोड़ लोगों के नाम थे। जबकि देश में 18 साल से अधिक उम्र के लोगों की जनसंख्या केवल 91 करोड़ के आसपास थी। आंकड़ों की इस विसंगति के तीन प्रमुख कारण हो सकते हैं। पहला, पिछले 15 वर्षों से जनगणना न होने के कारण जनसंख्या का अनुमान सही न होना। दूसरा, मतदाता सूचियों में ऐसे लोगों के नाम शामिल होना जिनका निधन हो चुका है। तीसरा, अयोग्य, फर्जी और घुसपैठियों का शामिल होना। उन्हीं के निवारण के लिए चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का काम शुरू किया है, जिसके समय को लेकर आइएनडीआइए के दल मुखर विरोध कर रहे हैं। विरोध करने वालों का एक तर्क यह है कि नागरिकता का सत्यापन करना गृह मंत्रालय का काम है, चुनाव आयोग का नहीं। हालांकि नागरिकता के सत्यापन के बिना मतदान करने की अर्हता तय नहीं हो सकती और उसे तय किए बिना सही मतदाता सूची नहीं बन सकती। मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण का काम चुनाव एजेंसियों का ही है, इसलिए नागरिकता का प्रमाण मांगे बिना वे पारदर्शी मतदाता सूची कैसे तैयार कर पाएंगी? अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, आस्ट्रेलिया और कनाडा से लेकर जापान तक हर देश की मतदाता सूची में शामिल होने के लिए नागरिकता का प्रमाण अनिवार्य है। घुसपैठियों की समस्या बढ़ने के कारण नागरिकता सत्यापन के नियम पूरे विश्व में कड़े होते जा रहे हैं। घुसपैठियों द्वारा मतदान के जरिये जनादेश को प्रभावित करना चुनाव प्रक्रिया में विदेशी हस्तक्षेप जैसा ही है। इसलिए बिहार में मतदाता सूची की पुनरीक्षा को चुनौती देने वालों के पक्ष में सर्वोच्च न्यायालय का कूद पड़ना और यह कहना कि ह्यादि बड़े पैमाने पर लोगों को इस सूची से बाहर किया गया, तो वह हस्तक्षेप करेगाह्न हैरत की बात है। शीर्ष अदालत को तो उलटे निर्वाचन आयोग से यह पूछना चाहिए कि उसने बिहार में 2003 से और बंगाल में 2002 से आज तक मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण क्यों नहीं किया? जिन फर्जी मतदाताओं और घुसपैठियों को मतदाता सूची से निकालने के लिए निर्वाचन आयोग ने पुनरीक्षा का काम शुरू किया है, उन्हें वोट बैंक बनाकर अब वही दल सबसे कड़ा विरोध कर रहे हैं जो इस समस्या को लेकर कभी सबसे मुखर रहे। मसलन, लालू प्रसाद यादव ने सितंबर 1992 में केंद्र सरकार से कहा था कि वह बांग्लादेश से हो रही घुसपैठ को रोकने के कारगर उपाय करे। उन्होंने ऐसा कानून बनाने की मांग भी रखी थी जो घुसपैठियों को अचल संपत्ति खरीदने से रोके। सीमावर्ती जिलों में भारतीयों को पहचान पत्र देने की सलाह भी दी थी ताकि घुसपैठियों की पहचान हो सके। इसी तरह 2005 में बंगाल की मतदाता सूचियों में घुसपैठियों की समस्या रेखांकित करने के लिए ममता बनर्जी ने तत्कालीन राष्ट्रपति अब्दुल कलाम को बांग्लादेश और बंगाल के उन दो चुनाव क्षेत्रों की मतदाता सूचियां भेंट की थीं, जिनमें अनेक नाम समान थे। आस्ट्रेलिया, कनाडा और जर्मनी ने मतदाता सूचियों को अद्यतन रखने के लिए निर्वाचन आयोगों को पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, जन्म-मृत्यु पंजीकरण और जनकल्याण जैसी नागरिकों के आंकड़े रखने वाली एजेंसियों से जोड़ रखा है। इसलिए वहां की चुनाव एजेंसियों को अपनी मतदाता सूचियां अद्यतन रखने में कठिनाई नहीं होती। जर्मनी ने अपना पता बदलने पर स्थानीय प्रशासन के दफ्तर में जाकर पंजीकरण कराना अनिवार्य कर रखा है, जिसकी वजह से मतदाता सूची भी अपने आप अद्यतन होती रहती है। ब्रिटेन और फ्रांस में स्थानीय सरकारें डाक और इलेक्ट्रानिक संपर्क के माध्यम से हर साल मतदाता सूची को अद्यतन करती हैं। लोग जब चाहें आनलाइन जाकर भी नाम दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा हर चुनाव से पहले भी इन्हें अद्यतन किया जाता है। स्वीडन, फिनलैंड और नीदरलैंड्स जैसे छोटे यूरोपीय देशों में राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर भी हैं, जिससे फर्जी नाम और घुसपैठिए मतदाता सूचियों में जगह नहीं पा सकते। नागरिकता रजिस्टर रखने इसलिए भी जरूरी हैं, ताकि घुसपैठिए मुफ्त स्कूली शिक्षा और इलाज, वृद्धावस्था पेंशन और सीमित समय के लिए बेरोजगारी भत्ते आदि का लाभ न उठा सकें। यहां तक कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और म्यांमार जैसे भारत के पड़ोसी देशों ने भी नागरिकता रजिस्टर या पहचान पत्र बना रखे हैं ताकि शरणार्थियों और घुसपैठियों का हिसाब रखा जा सके। क्या ऐसे असफल देशों से घिरे भारत को भी अपनी चुनाव प्रक्रिया को घुसपैठ के प्रभाव से बचाने के लिए नागरिकता रजिस्टर बनाने पर गंभीरता से विचार नहीं करना चाहिए? भारत अब धीरे-धीरे जनकल्याण सेवाओं का दायरा भी फैला रहा है। नागरिकता रजिस्टर बन जाने से एक तो फजीर्वाड़ा करने वाले लोग और घुसपैठिए न तो योजनाओं का अनुचित लाभ उठा पाएंगे और न ही जनादेश को भी प्रभावित कर पाएंगे। हालांकि इसके लिए चुनाव आयोग को मतदाता सूचियों के निरंतर और वार्षिक अद्यतनीकरण की व्यवस्था भी शुरू करनी होगी।

डॉ. जितेंद्र आव्हाड – लक्ष्य, विचार, संघर्ष और मानवता का तूफान

लेखक - विक्रम खामकर

राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के अधिकारों के लिए संघर्ष का मंच होनी चाहिए, यह उस नेता का नाम है जो इस भूमिका को अडिगता से निभाता है, जिसकी वाणी में आक्रामकता और हृदय में समाज के जमीनी मुद्दों के प्रति करुणा का संगम होता है। वे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के एक समर्पित विधायक और महाराष्ट्र की प्रगतिशील वैचारिक परंपरा के प्रबल समर्थक के रूप में जाने जाते हैं। आज उनका जन्मदिन है ! यह दिन केवल शुभकामनाओं का नहीं, बल्कि उनके कार्यों, संघर्ष और मूल्यों की समीक्षा करके प्रेरणा लेने का है।

छात्र जीवन से ही आंदोलन का नेतृत्व

डॉ. आव्हाड का राजनीतिक सफर छात्र आंदोलन से शुरू हुआ। उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय में 'छात्र क्रांति दल' का नेतृत्व करते हुए सामाजिक मुद्दों पर सशक्त आंदोलन चलाए। कम उम्र में ही उन्होंने अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाई और यही भावना आगे चलकर उनकी राजनीतिक पूंजी बनी। उनकी सिद्धांतनिष्ठा, प्रखर प्रगतिशील विचार और कार्यकताओं से जुड़ाव आज भी बरकरार है।

समाज के वंचित वर्गों के लिए लड़ने वाले एक योद्धा

डॉ. आव्हाड एक ऐसे नेता हैं जो अल्पसंख्यकों, दलितों, बहुजनों, अन्य पिछड़ा वर्ग और वंचितों के अधिकारों के लिए निरंतर आवाज उठाते हैं। किसी भी पद पर रहते हुए, उन्होंने समाज के वंचित वर्गों के लिए कानूनों, योजनाओं और नीतियों को लागू करने के लिए अथक प्रयास किए। मंत्री रहते हुए भी, उन्होंने ईमानदारी और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

धर्मनिरपेक्षता की रक्षा करने वाले एक प्रगतिशील नेता

आज के ध्रुवीकृत युग में, धर्मनिरपेक्षता के पक्ष में दृढ़ता से खड़े होने वाले नेता कम ही बचे हैं, और डॉ. आव्हाड इसमें सबसे आगे हैं। अपने भाषणों, कार्यों और नीतिगत रुख में, उन्होंने हिंदू-मुस्लिम एकता, संविधान के मूल्यों और मानवता के सम्मान के सिद्धांतों की लगातार वकालत की है।

स्पष्टवादिता उनकी ताकत है

डॉ. जितेंद्र आव्हाड किसी भी मुद्दे पर स्पष्ट और दृढ़ रुख रखते हैं। वे ऐसे नेता नहीं हैं जो किसी को खुश करने के लिए अपना मन बदल लें। उन्होंने अक्सर अपनी पार्टी या सत्ताधारी दल के विरुद्ध भी सिद्धांतों के लिए आवाज उठाई है। यह उनके निडर स्वभाव और वैचारिक ईमानदारी का एक उदाहरण है।

सामाजिक कार्य और जनसंवाद

डॉ आव्हाड का एजेंडा सिर्फ. भाषणों तक ही सीमित नहीं है। वे अक्सर लोगों के पास जाकर उनकी समस्याएँ सुनते हैं, विरोध प्रदर्शनों में भाग लेते हैं और सत्ताधारी दल से सवाल पूछते हैं। अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने बेरोजगारी, गरीबी, धार्मिक विभाजन, शैक्षिक अन्याय और महिला सशक्तिकरण जैसे विभिन्न मुद्दों पर कड़ा रुख अपनाया है।

कला, साहित्य और इतिहास का ज्ञान

डॉ. जितेंद्र आव्हाड राजनीति के साथ-साथ इतिहास, साहित्य और कला में भी रुचि रखते हैं। उनकी भाषण शैली चित्रात्मक और प्रभावी है क्योंकि यह केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोपों में ही नहीं उलझी रहती, बल्कि अध्ययन, इतिहास और संदर्भ पर आधारित होती है। उनकी भाषण शैली में सामाजिक यथार्थ और वैचारिक गहराई है।

डॉ. आव्हाड – शरद पवार की विचारधारा के सच्चे उत्तराधिकारी

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार जिस विचारधारा - धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और प्रगतिशील सोच - का नेतृत्व करते हैं, उसके सच्चे अनुयायी और उत्तराधिकारी के रूप में डॉ. जितेंद्र आव्हाड का नाम लिया जाना चाहिए। शरद पवार का अनुशासन उनकी भाषण शैली में स्पष्ट दिखाई देता है, जबकि जयप्रकाश नारायण और डॉ. अंबेडकर की विचारधारा उनकी कार्यशैली में स्पष्ट दिखाई देती है।

एक नेता – एक कार्यकर्ता – एक आदर्श

उनका व्यक्तित्व एक नेता से ज्यादा एक कार्यकर्ता के ज्यादा करीब है। उनमें पद का अभिमान नहीं, सत्ता का दुरुपयोग नहीं, और जनता से कोई अलगाव नहीं। इसीलिए आम आदमी उनमें खुद को देखता है। वे विवादास्पद तो लगते हैं, लेकिन आदर्शवादी भी है। उनमें मानवता ज़िंदा है - और यही उनका सर्वोच्च गुण है।

डॉ. जितेंद्र आव्हाड को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएँ ! उनके कार्यों से महाराष्ट्र को संविधान, समानता, भाईचारे और प्रगति की दिशा मिले।

आप समाज के लिए एक प्रेरणास्रोत बने रहें और एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें, यही ईश्वर से हमारी प्रार्थना है !

आधा-अधूरा कृत्रिम मेधा का ज्ञान देश की सुरक्षा के लिए खतरनाक

संजीव ठाकुर

अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी नब्ज पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। कृत्रिम मेधा की तकनीक को वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है। अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे हो गये हैं। अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है।आश्चर्यजनक रूप से यूएई ,सऊदीअरबिया, कतर, मिस्त्र ,जॉर्डन, मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसानदेय भी हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर मिसाइल दागने में यूक्रेन यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है। अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है। वैसे यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे हैं विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं।खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्त्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34% बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं। खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकेंह्न यूएई पहला देश है जिसने 2017 ने इस तकनीक को अपनाया था इसके बाद खाड़ी के देशों में अब टेक्नोलॉजी को अपनाने में होड़ हो गई हैह्न यह सभी देश एआई टेक्नोलॉजी पर लगभग 3 अरब डॉलर खर्च कर चुके हैंह्न दूसरी तरफ यदि इसका इस्तेमाल अति विशेषज्ञों द्वारा नहीं किया गया तो इसका दुरुपयोग जिन देशों के पास इन टेक्नोलॉजी से एडवांस टेक्नोलॉजी है वह पूरी जानकारी निकालने में सक्षम होंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग यूरोपीय देश न सिर्फ सामरिक महत्व की चीजों में कर रहे हैं बल्कि मेडिकल साइंस और अंतरिक्ष विज्ञान में भी पूरी तरह हो रहा है और इससे बहुत फायदे भी मिल रहे हैंह्न आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव प्रजाति के लिए जितना फायदेमंद है दूसरी तरफ उतना ही नुकसान दे और इससे वैश्विक शांति को खतरा भी हो सकता हैह्न राइट एक्टिविस्ट मानते हैं कि रोबोट की तरह इस तरह की विज्ञान पर आधारित चीजें माननीय प्रजाति को खत्म कर सकती है बल्कि उनकी चिंता डेटा सुरक्षा प्रपो गेंडा सर्विलांस के विरुद्ध होने वाले नुकसान पर भी ज्यादा है।

'मुंबई में हाउसिंग जिहाद, बदली जा रही शहर की डेमोग्राफी', शिवसेना नेता संजय निरुपम ने लगाए गंभीर आरोप

स्लम पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) के एडिशनल कलेक्टर की जांच रिपोर्ट का हवाला देते हुए शिवसेना के उपनेता और प्रवक्ता संजय निरुपम ने आरोप लगाया गया कि जोगेश्वरी में हाउसिंग जिहाद कर वहां की डेमोग्राफी बदली जा रही है। एसआरए योजना में बड़े पैमाने पर घोटोले कर मुस्लिम वर्ग को बसाया जा रहा है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः स्लम पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) के एडिशनल कलेक्टर की जांच रिपोर्ट का हवाला देते हुए शिवसेना के उपनेता और प्रवक्ता संजय निरुपम ने आरोप लगाया गया कि जोगेश्वरी में हाउसिंग जिहाद कर वहां की डेमोग्राफी बदली जा रही है। एसआरए योजना में बड़े पैमाने पर घोटोले कर मुस्लिम वर्ग को बसाया जा रहा है। यह घोटाला करीब 600 करोड़ रुपये का है। इसकी शिकायत निरूपम उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से करेंगे।संजय निरुपम की शिकायत में क्या ?दअरसल, कुछ महीने पहले निरुपम ने उपमुख्यमंत्री शिंदे को लिखित शिकायत की थी। उन्होंने जोगेश्वरी में एसआरए की योजनाओं की जांच की मांग की थी। उसके बाद उपमुख्यमंत्री शिंदे ने जांच अधिकारी नियुक्त किया। उसकी रिपोर्ट सामने आ गई है। उस रिपोर्ट का हवाला देते हुए निरुपम ने कहा कि सोमवार को बालासाहेब भवन में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि जोगेश्वरी में ओशिवारा पैराडाइस जोन में 44 झोपड़े थे जिसे बढ़ाकर 95 किया । यहां 51 अतिरिक्त झोपड़े में सिर्फ मुस्लिम लोगों को घर अलॉट किया कैसे की गड़बड़ी ?बिल्डर अब्दुल गनी किताबुल्लाह खान के दो बेटे हैं। इनके नाम पर 30 घर अलॉट किए गए। हिंदुओं के घर मुस्लिम ने खरीदकर उस पूरी बस्ती को मुस्लिमों की बना दी है। जोगेश्वरी के ही श्री शंकर झोपड़पट्टी पुनर्वसन योजना अंतर्गत इस सोसाइटी में 67 झोपड़े थे जो बढ़कर 123 कर दिए गए।

हम दोनों भाई 20 साल बाद साथ हैं, फिर बहस क्यों कर रहे हो? राज ठाकरे का 'मनसे' सवाल

अगर हम दोनों भाई बीस साल बाद एक साथ आ सकते हैं, तो आपस में बहस क्यों कर रहे हो? बिना किसी बहस के चुनाव की तैयारी शुरू कर दो... महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने यह आदेश दिया। सोमवार को मुंबई के रंगशारदा में मनसे पदाधिकारियों की बैठक हुई।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः अगर हम दोनों भाई बीस साल बाद एक साथ आ सकते हैं, तो आपस में बहस क्यों कर रहे हो? बिना किसी बहस के चुनाव की तैयारी शुरू कर दो... महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने यह आदेश दिया। सोमवार को मुंबई के रंगशारदा में मनसे पदाधिकारियों की बैठक हुई। इस दौरान राज ठाकरे ने पदाधिकारियों को उद्धव ठाकरे गुट के शिवसैनिकों के साथ मिलकर काम करने की सलाह दी।

बीएमसी चुनाव की तैयारियों में जुटने को कहा

राज ठाकरे ने पदाधिकारियों को मुंबई नगर निगम चुनाव की तैयारी शुरू करने का आदेश दिया। बीएमसी चुनाव की तैयारियों का जायजा लेते हुए राज ठाकरे ने मतदाता सूची पर भी टिप्पणी की। राज ठाकरे ने पदाधिकारियों को मतदाता सूची की जांच करने और चुनाव की तैयारियों में पुराने कार्यकताओं और पदाधिकारियों को साथ लेने का निर्देश दिया।

बाला नंदगांवकर ने क्या कहा?

मीडिया से बात करते हुए मनसे नेता बाला नंदगांवकर ने कहा कि राज ठाकरे ने उन्हें सलाह दी थी कि अगर हम दोनों भाई 20 साल बाद एक मंच पर आ सकते हैं, तो आपको भी अपने मतभेद भुलाकर साथ मिलकर काम करना चाहिए।ठाकरे का बीएमसी चुनाव पर फोकसमहाराष्ट्र नवनिर्माण सेना मुंबई में मजबूत है। इस बार हम मुंबई महानगरपालिका में सत्ता में आने वाले हैं। मैं ये सिर्फ तालियां और सीटियां बटोरने के लिए नहीं कह रहा हूं। बताया जा रहा है कि राज ठाकरे ने ये भी कहा कि पार्टी से दूरी बना चुके पुराने कार्यकताओं और पदाधिकारियों को साथ लेकर उन्हें एकजुट करें और तैयारी शुरू करें।मराठी मुद्दे पर उन्होंने क्या कहा ?मराठी मुद्दे पर राज ठाकरे ने मनसे पदाधिकारियों को कुछ अहम निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसी को भी बिना वजह न मारें। पहले उसे समझाएं। उसे मराठी बोलना सिखाएं और अगर वो तैयार हो तो मराठी सीखें। राज ठाकरे ने कहा कि अगर कोई बदतमीजी से नहीं बोल रहा है, तो बिल्कुल बहस न करें, लेकिन अगर वो बदतमीजी से बोल रहा है, तो उसके अनुसार अगला कदम उठाएं। उन्होंने इस बात पर भी जार दिया कि इस घटना का वीडियो न बनाएं और अगर कोई भेजता है, तो उसे कहीं शेयर या वायरल न करें।

फास्ट ट्रैक

मध्य रेल द्वारा लोकमान्य तिलक टर्मिनस धनबाद विशेष ट्रेनों के 18 अतिरिक्त फेरे बढ़ाएगा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

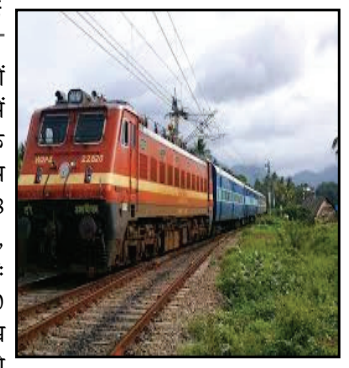

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए लोकमान्य तिलक टर्मिनस धनबाद विशेष गाड़ियों के परिचालन में 18 अतिरिक्त फेरे बढ़ाए गए हैं, जिसका विवरण निम्नानुसार है: गाड़ी संख्या 03380 लोकमान्य तिलक टर्मिनस झ धनबाद साप्ताहिक विशेष, जो प्रत्येक गुरुवार को चलती है और जिसे पूर्व में 31.07.2025 तक चलाने की अधिसूचना थी, अब इसका परिचालन 07.08.2025 से 02.10.2025 तक बढ़ाया गया है। (कुल 9 फेरे) गाड़ी संख्या 03379 धनबाद झ लोकमान्य तिलक टर्मिनस साप्ताहिक विशेष, जो प्रत्येक मंगलवार को चलती है और जिसे पूर्व में 29.07.2025 तक चलाने की अधिसूचना थी, अब इसका परिचालन 05.08.2025 से 30.09.2025 तक बढ़ाया गया है। (कुल 9 फेरे)

कोच संरचनाः 2 एसी द्वितीय श्रेणी, 2 एसी तृतीय श्रेणी, 6 एसी तृतीय श्रेणी इकोनॉमी, 6 स्लीपर श्रेणी, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 द्वितीय सीटिंग कम गार्ड ब्रेक वैन तथा 1 जनरेटर कार।

आरक्षणः विशेष गाड़ी संख्या 03380 की विस्तारित ट्रिप्स के लिए आरक्षण सभी कंम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट http://www.irctc.co.in पर उपलब्ध है ।

अनारक्षित कोचों के लिए टिकट यूटीएस प्रणाली के माध्यम से लिए जा सकते हैं और सुपरफास्ट मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों के समान सामान्य किराया देय होगा।

इन विशेष गाड़ियों के ठहराव पर विस्तृत समय की जानकारी के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या NTES ऐप डाउनलोड करें।

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने मध्य एवं पश्चिम रेलवे की रेल परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

श्री सतीश कुमार, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड तथा पदेन प्रधान सचिव, भारत सरकार ने सोमवार द्वारा दिनांक 04.08.2025 को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्थित 'चिंतन' सम्मेलन कक्ष में मध्य एवं पश्चिम रेलवे की रेल परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। श्री धर्म वीर मीना, महाप्रबंधक, मध्य रेल, श्री विवेक कुमार गुप्ता, महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे, श्री विलास वाडेकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मुंबई रेलवे विकास निगम (एमआरवीसी), श्री मनोज गर्ग, उपाध्यक्ष, रेल लैंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (आरएलडीए), मध्य एवं पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक, प्रधान विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी, मंडल रेल प्रबंधक (मुंबई मंडल), रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी और एमआरवीसी के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। श्री सतीश कुमार ने विभिन्न रेल परियोजनाओं से संबंधित मामलों पर चर्चा की। उन्होंने आरएलडीए द्वारा किए जा रहे सीएसएमटी स्टेशन के पुनर्विकास से संबंधित चल रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने शनिवार, दिनांक 02.08.2025 को पश्चिम रेलवे के खार स्टेशन पर एमआरवीसी द्वारा किए जा रहे स्टेशन सुधार कार्य का निरीक्षण किया। रविवार, दिनांक 03.08.2025 को, श्री सतीश कुमार ने वंदे भारत एक्सप्रेस द्वारा सीएसएमटी से नासिक की यात्रा की और 2027 में नासिक में आयोजित होने वाले सिंहस्थ कुंभ मेले की तैयारियों के तहत कस्बे सुकेने, खेरवाड़ी, ओढ़ा, महाजेनको, देवलाली और नासिक स्टेशनों का निरीक्षण किया। श्री सतीश कुमार ने नासिक में राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ बैठक की और शाम को घाटकोपर स्टेशन का भी दौरा किया। मध्य रेल, पश्चिम रेलवे और मुंबई महानगर क्षेत्र में विकास कार्य कर रही विभिन्न एजेंसियों के साथ आयोजित एक संयुक्त बैठक में, श्री सतीश कुमार ने संरक्षा पर पूर्ण और निरंतर ध्यान केंद्रित करने की बात दोहराई और रिकॉर्ड समय में खड़की और हडपसर स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए मध्य रेल द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। बैठक का मुख्य फोकस क्षमता वृद्धि और नवीन समाधानों के माध्यम से यात्रियों के लिए अतिरिक्त ट्रेन सेवाओं के साथ बेहतर सुविधाओं का प्रावधान और चल रहे कार्यों को शीघ्र पूरा करना था। श्री सतीश कुमार ने मेगा कोचिंग कॉम्प्लेक्स कार्यों की प्रगति और मेल एक्सप्रेस और लोकल ट्रेनों दोनों के लिए यात्री वहन क्षमता बढ़ाने की तैयारियों की समीक्षा की। विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे के रास्ते और उसमें भारतीय रेल के योगदान के लिए एक विस्तृत प्रस्तुति भी दी गई। एमएमआर क्षेत्र में 15 डिब्बों वाली लोकल ट्रेनों के विस्तार जैसे तात्कालिक समाधानों की समीक्षा की गई और उन्हें संतोषजनक पाया गया। श्री सतीश कुमार ने समग्र यात्री संरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए कार्यों को शीघ्र और इष्टतम रूप से पूरा करने पर जोरदिया। मीडियाकर्मियों के साथ एक संक्षिप्त बातचीत के दौरान, श्री सतीश कुमार ने सीएसएमटी पुनर्विकास कार्य की स्थिति के बारे में बात की और यात्री संरक्षा तथा कार्य की गुणवत्ता पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने की बात दोहराई। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री सतीश कुमार ने आज जोगेश्वरी (एटी) यार्ड का निरीक्षण भी किया। उन्होंने जोगेश्वरी (एटी) में नए कोचिंग टर्मिनल के चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की।

अमेरिका में रहने वाले भाई के फोटो का इस्तेमाल कर ठगों ने मुंबई के कारोबारी को लगा दिया चूना

आजकल लोग वॉइस क्लोनिंग साइबर फ्रॉड का शिकार बन लाखों रुपए गंवा रहे हैं। मुंबई के जुहू इलाके में रहने वाले 56 साल के एक व्यावसायी के साथ भी कुछऐसा ही हुआ था। कारोबारी के अमेरिका में रहने वाले भाई का नाम लेकर ठग ने उन्हें 50 हजार की चपत लगा दी।

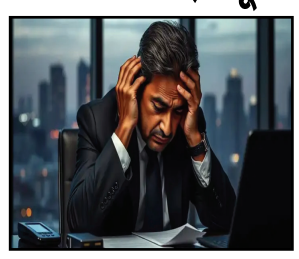

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः अगर आपके मोबाइल पर आपके किसी करीबी का फोटो लगा हुआ डीपी से कॉल आए कि मुझे पैसों की आवश्यकता है। मैं अस्पताल में भर्ती हूं। इलाज के लिए पैसे चाहिए तो आप सावधान रहें। क्योंकि, आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस के जरिए ये सब आजकल आसान हो गया। इसके चलते लोग वॉइस क्लोनिंग साइबर फ्रॉड का शिकार बन लाखों रुपए गंवा रहे हैं। मुंबई के जुहू इलाके में रहने वाले 56 साल के एक व्यावसायी के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ था। कारोबारी के अमेरिका में रहने वाले भाई का नाम लेकर ठग ने उन्हें 50 हजार की चपत लगा दी।कैसे की ठगी ?आरोपी ने आवाज बदलने वाला अक पर आधारित सॉफ्टवेयर इस्तेमाल कर पीड़ित को भरोसा दिलाया कि वह उनका भाई है और उस मेडिकल इमरजेंसी है। ठगने के लिए आरोपी ने कारोबारी के भाई का फोटो भी डीपी में लगा रखा था ताकि उस पर संदेह न हो जिसके झांसे में कारोबारी आ गए और साइबर ठगी का शिकार बन गया।पुलिस ने क्या बताया ?पुलिस के मुताबिक, कारोबारी को पिछले हफ्ते एक अमेरिकी नंबर से कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को उनका भाई बताया और कहा कि वह बीमार है और उसे इलाज के लिए तुरंत पैसों की जरूरत है। कॉलर की प्रोफाइल पिक्चर में कारोबारी ने देखा तो वास्तव में उसके भाई की तस्वीर लगी थी, उससे वह भरोसा कर लिया। इसके अलावा, उस संदिग्ध की आवाज भी हु ब हु उसके भाई जैसा ही था।

रेलवे साईनगर शिर्डी-काकीनाडा पोर्ट एक्सप्रेस को संशोधित संरचना के साथ चलाएगा, जिसमें 3 शयनयान (स्लीपर) श्रेणी के डिब्बे शामिल होंगे।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

रेलवे ट्रेन संख्या 17205/17206 साईनगर शिर्डी-काकीनाडा पोर्ट एक्सप्रेस को संशोधित संरचना के साथ चलाएगा।

नई संरचना में 3 शयनयान श्रेणी के डिब्बे शामिल हैं।

विवरण इस प्रकार हैं: *17205/17206 साईनगर शिर्डी-काकीनाडा पोर्ट एक्सप्रेस की संशोधित संरचना *एक प्रथम श्रेणी वातानुकूलित, दो वातानुकूलित -2 टियर, चार वातानुकूलित -3 टियर, दो वातानुकूलित -3 टियर इकोनॉमी, 5 शयनयान श्रेणी, चार सामान्य द्वितीय श्रेणी, एक द्वितीय श्रेणी सीटिंग और सामान सह गार्ड ब्रेक वैन और एक जनरेटर कार।ट्रेन संख्या 17205 साईनगर शिर्डी- काकीनाडा पोर्ट एक्सप्रेस दिनांक 14.10.2025 से साईनगर शिर्डी टर्मिनस से संशोधित संरचना के साथ चलेगी *ट्रेन संख्या 17206 काकीनाडा पोर्ट - साईनगर शिर्डी एक्सप्रेस दिनांक 13.10.2025 से काकीनाडा पोर्ट से संशोधित संरचना के साथ चलेगी। इन ट्रेनों के विस्तृत समय और ठहराव की जानकारी के लिए, कृपया www.enquiry.indianrail.gov.inपर जाएँ या NTES ऐप डाउनलोड करें।

मुसावल मंडल में स्वच्छता अभियान का आयोजन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

रेलवे बोर्ड के निदेर्शानुसार स्वतंत्रता दिवस 2025 के उपलक्ष्य में भुसावल मंडल में दिनांक 01 अगस्त से 15 अगस्त 2025 तक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य रेलवे परिसरों में व्यापक स्वच्छता बनाए रखना तथा रेल यात्रियों व कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है। दिनांक 04 अगस्त 2025 को भुसावल मंडल रेल कार्यालय में मंडल रेल प्रबंधक श्री पुनीत अग्रवाल ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। मंडल के सभी स्टेशनों, कोचिंग डिपो, कार्यालयों, रेलवे स्कूलों एवं क्षेत्रीय रेलवे प्रशिक्षण संस्थान, भुसावल में भी यह शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके साथ ही यात्रियों को भी स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। रेलवे कर्मियों ने इस अवसर पर हर सप्ताह कम से कम दो घंटे का स्वैच्छिक श्रमदान करने का संकल्प लिया है। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत स्टेशनों, प्लेटफार्मों, ट्रेनों, पटरियों, स्टेशन परिसरों, कार्यालयों, शौचालयों एवं जल स्रोतों की गहन सफाई की जा रही है। भुसावल मंडल रेलवे द्वारा चलाया जा रहा यह स्वच्छता अभियान न केवल पर्यावरण की स्वच्छता हेतु एक प्रेरणादायी पहल है, बल्कि यह आम नागरिकों को भी स्वच्छता के महत्व की गहराई से जानकारी प्रदान करता है।

वाशी में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के कमीशनिंग से संबंधित कार्य हेतु हार्बर लाइन पर दिनांक 05/06.08.2025 की मध्यरात्रि से विशेष यातायात ब्लॉक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

(मंगलवार/बुधवार) से दिनांक 08/09.08.2025 (शुक्रवार/शनिवार) तक। मध्य रेल, वाशी में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के कमीशनिंग से संबंधित कार्य हेतु दिनांक 05/06.08.2025 (मंगलवार/बुधवार) से दिनांक 08/09.08.2025 ब्लॉक अवधि के दौरान उपनगरीय ट्रेनों का परिचालन : दिनांक 05/06.08.2025 (मंगलवार/बुधवार) और दिनांक 06/07.08.2025 (बुधवार/गुरुवार), दिनांक 07/08.08.2025 (गुरुवार/शुक्रवार) और दिनांक 08/09.08.2025 (शुक्रवार/शनिवार) की मध्यरात्रि को अप उपनगरीय ट्रेनों का शॉर्ट टर्मिनेशन

बेलापुर से 20.54 बजे प्रस्थान करने वाली बेलापुर-सीएसएमटी लोकल वाशी में शॉर्ट टर्मिनेट कर दी जाएगी।

बेलापुर से 21.16 बजे प्रस्थान करने वाली बेलापुर-सीएसएमटी लोकल ट्रेन वडाला रोड पर शॉर्ट टर्मिनेट कर दी जाएगी।

बांद्रा से 22.00 बजे प्रस्थान करने वाली बांद्रा-सीएसएमटी लोकल ट्रेन वडाला रोड पर शॉर्ट टर्मिनेट कर दी जाएगी।

पनवेल से 22.50 बजे और 23.32 बजे प्रस्थान करने वाली पनवेल-वाशी लोकल ट्रेन नेरुल पर शॉर्ट टर्मिनेट कर दी जाएगी।

दिनांक 05/06.08.2025 (मंगलवार/बुधवार) और 06/07.08.2025 (बुधवार/गुरुवार) की मध्यरात्रि को डाउन उपनगरीय ट्रेनों की शॉर्ट ओरिजिनेशन

पनवेल के लिए वडाला रोड से सुबह 5.06 बजे और सुबह 5.52 बजे चलने वाली लोकल ट्रेन नेरुल से शॉर्ट ओरिजिनेशन होगी। पनवेल के लिए सीएसएमटी से सुबह 4.52 बजे और सुबह 5.30 बजे चलने वाली लोकल ट्रेन नेरुल से शॉर्ट ओरिजिनेशन होगी।गोरेगांव के लिए सीएसएमटी से सुबह 5.10 बजे चलने वाली लोकल ट्रेन वडाला रोड से शॉर्ट ओरिजिनेशन होगा । दिनांक 07/08.08.2025 (गुरुवार /शुक्रवार) और दिनांक 08/09.08.2025 (शुक्रवार/ शनिवार) की मध्यरात्रि को डाउन उपनगरीय ट्रेनों का शॉर्ट ओरिजिनेशन

मीरा रोड से चढ़ा और फिर करने लगा अश्लील हरकत, लोकल में कांस्टेबल ने गंदी बात से परेशान हुईं महिलाएं

मुंबई की लोकल ट्रेनों में अक्सर महिलाओं के साथ छेड़खानी के मामले सामने आते हैं लेकिन मीरा रोड स्टेशन से एक धीमी लोकल में चढ़े कांस्टेबल ने अपने हरकतों महिलाओं को मुश्किल में डाल दिया। महिलाएं जब परेशान हो गईं तो उन्होंने जबरन उसे अगले स्टेशन पर उतार दिया और रेलवे को सूचित किया।

मध्य रेल

बायो-टैंक माउंटिंग की आपूर्ति

खुली निविदा सूचना संख्याः सीआरएमयूएम1 एमईसीएचएनसीसीओ 462025 दिनांक: 01.08.2025. कार्य का नाम : वाडीबंदर में आरसीएफ ड्राइंग संख्या LE11441 और LE11443 के अनुसार बायो-टैंक माउंटिंग 'J' ब्रैकेट की आपूर्ति का कार्य और आरसीएफ ड्राइंग संख्या LE11442 के अनुसार इसका प्रतिस्थापन (फिटमेंट). **कार्य की अनुमानित लागतः** ₹38,04,220/- (रुपये अड़तीस लाख चार हजार दो सौ बीस केवल). **बयाना राशि:** ₹76,100/- (रुपये छिहत्तर हजार एक सौ केवल) **निविदा दस्तावेज शुल्क:** निशुल्क **निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय: 22.08.2025** को **15:00** बजे तक निविदाएं केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से ई-टेंडरिंग प्रारुप में स्वीकार की जाएंगी। निविदा दस्तावेज वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। AK-333

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

पश्चिम रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग

विभिन्न सामग्री की आपूर्ति

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना क्र. एस/50/2025, दिनांक : 01.08.2025

अ. क्र.	आइटम का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	टी.ओ.डी.
420	बोगी सेंटर पिवोट बॉटम	2776 नग	29-अगस्त-25
421	ऑटोमैटिक फायर डिटेक्शन एंड मैन्युअल सप्रेशन सिस्टम	35 नग	01-सितंबर-25
422	60ई1ए1 थिक वेब टंग रेल के साथ 10125 एमएम कर्व्ड स्विच	150 सेट	01-सितंबर-25
423	एचवीएन-66 इंसुलेटिंग लाइनर्स	4224680 नग	02-सितंबर-25
424	22.22 एमएम व्यास लॉक बोल्ट एंड कॉलर	89974 नग	01-अक्तूबर-25
425	ब्रेक बीम कम्प्लीट	1578 नग	06-अक्तूबर-25

शुद्धिपत्र

कृपया निविदा सूचना क्र. : **एस-36-2025,** दिनांक : 12.06.2025 में अ.क्र. 311 हेतु निर्धारित तिथि **11.08.2025** पढ़ें.

विस्तृत सूचना ईएमडी, क्रय प्रतिबंधों और विस्तृत निविदा शर्तों के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** तथा **wr.indianrailways.gov.in** का अवलोकन करें. 0463

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य- प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल – मुंबई – 400 008

कार्य – मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर मीडिया के जरिये विज्ञापनों का प्रदर्शन

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी का आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVTMB25-4	21.08.2025 को 14.00.00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान /एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	MMS-MobGen-168317-1-25-1 (Misc-Mobile-Services Mobile General)	मुंबई मंडल, पश्चिम रेलवे में गाड़ी क्र. 20901/20902 वंदे भारत एक्सप्रेस, मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर कैपिटल-मुंबई सेंट्रल में ऑनबोर्ड फ्री लाइफस्टाइल मैगजीन के वितरण हेतु अनुबंध.	1096	21-08-25 14:30:00

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी का आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVT-25-26	21.08.2025 को 15.00.00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान /एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	ADVT-BCT-GMN-OSN-361- 25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	03 वर्षों की अवधि हेतु गोरेगांव (जीएमएन) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1096	21-08-25 15:30:00

संपर्क विवरण : लैंडलाइन क्र. : 022676444212. **ईमेल आईडी : acmadvtgbct@gmail.com** **टिप्पणी :** संभावी बोलीकर्ताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट (**www.ireps.gov.in**) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल का अवलोकन करें. लॉट अनुसार विवरण निर्दिष्ट पुस्तिका अंतर्गत उपलब्ध है. 0461

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

ईडी की जाँच में तेजी : वसई-विरार निर्माण घोटाला; अनिल कुमार पवार, रेड्डी से पूछताछ

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

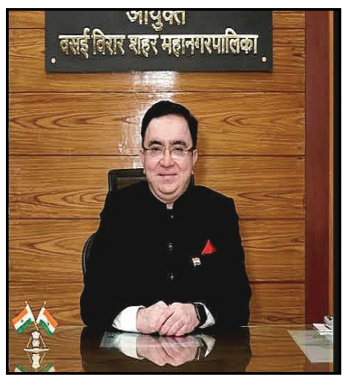

वसई-विरार नगर निगम में चल रहे निर्माण घोटाले का खुलासा प्रवर्तन निदेशालय की जाँच में हुआ है। ईडी की जाँच में पता चला है कि तत्कालीन आयुक्त अनिल पवार ने निर्माण परमिट जारी करने के लिए 25 रुपये प्रति वर्ग फुट की दर तय की थी और रेड्डी ने 10 रुपये प्रति वर्ग फुट की दर तय की थी। इससे यह संदेह पैदा होता है कि पवार ने करोड़ों रुपये का घोटाला किया है। इसलिए जाँच और गहन होने की संभावना है।

वसई-विरार शहर में 41 अनधिकृत निर्माण मामलों के बाद, ईडी की जाँच से शहर में निर्माण घोटालों के मामले सामने आने लगे हैं। इस मामले में नगर निगम के अधिकारियों, आयुक्तों, नगर नियोजन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, इंजीनियरों, वास्तुकारों, चार्टर्ड एकाउंटेंट और कुछ दलालों की मिलीभगत से ऐसे घोटाले किए जा रहे थे। विशेष रूप से, इस मामले में अनिल कुमार पवार की वसूली दर भी तय थी।

नालासोपारा में 41 अनधिकृत इमारतों के मामले में तत्कालीन नगर नियोजन उपनिदेशक वाईएस रेड्डी संलिप्त पाए गए। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत भू-माफियाओं के साथ हैदराबाद स्थित रेड्डी के घर पर छापा मारा। इस छापेमारी में रेड्डी के पास से 8.23 करोड़ रुपये की बेहिसाबी नकदी और 23.25 करोड़ रुपये के आभूषण बरामद हुए। जाँच में पता चला कि रेड्डी ने यह अनुपातहीन संपत्ति अर्जित की थी। इस संबंध में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की शिकायत पर अछोले पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।यह खुलासा हुआ है कि आयुक्त को निर्माण परियोजना के कुल क्षेत्रफल पर 20 से 25 रुपये प्रति वर्ग फुट की रिश्वत मिल रही है और विवादास्पद नगर नियोजन अधिकारी वाईएस रेड्डी को 10 रुपये प्रति वर्ग फुट की रिश्वत मिल रही है।

इस मामले के बाद, पवार की जाँच अब तेज हो गई है और उनके रिश्तेदारों के खिलाफ जाँच शुरू हो गई है।

सूत्रों ने बताया है कि ईडी को जानकारी मिली है कि पवार ने अपने रिश्तेदारों के नाम पर लगभग एक हजार करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की है। इसके अलावा, कई आयुक्तों पर भी आरोप है कि उन्होंने अपने तबादले के बाद करोड़ों रुपये का गबन किया है। निर्माण परमिट पर हस्ताक्षर किए।'ईडी' द्वारा छापेमारी के दौरान जब्त किए गए डिजिटल उपकरणों से पता चला है कि नगर निगम के अधिकारियों के कुछ आर्किटेक्ट और चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) से घनिष्ठ संबंध थे। इसके जरिए इस क्षेत्र में काले धन को सफेद करने और भ्रष्टाचार का एक जाल बिछा हुआ था।

माता-पिता का कोविड-19 में निधन , जिलाधिकारी ने बेटे को दिए 10 लाख का चेक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,ऐसे बच्चों जिनके माता-पिता का कोविड-19 के कारण निधन हो गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग, भारत सरकार द्वारा पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता स्वीकृत की जा रही है। अमनजीत सिंह के माता-पिता का कोविड-19 के कारण निधन हो गया था और महिला एवं बाल विकास विभाग, भारत सरकार के माध्यम से वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई थी और वित्तीय सहायता की राशि को डाक खाते में सावधि जमा के रूप में रखा गया था। अमनजीत सिंह के डाक खाते में रखी गई वित्तीय सहायता राशि की परिपक्वता 4 अगस्त 2025 को पूरी हो गई है ।जिलाधिकारी श्रीकृष्णनाथ पंचाल द्वारा आज 4 अगस्त 2025 को शाम 4 बजे उन्हें 10 लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया है। अमनजीत सिंह देश के पहले बाल लाभार्थी और महाराष्ट्र राज्य के पहले लाभार्थी हैं। जिनकी आयु 23 वर्ष पूरी हो चुकी है और उन्हें वित्तीय सहायता राशि चेक के माध्यम से दी गई है। इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी श्रीकृष्णनाथ पांचाल, भारतीय डाक विभाग, वरिष्ठ अधीक्षक के. नरेंद्र बाबू, ठाणे, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी नमिता विजय शिंदे, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, रामकृष्ण रेड्डी, जिला बाल संरक्षण प्रकोष्ठ ठाणे संरक्षण अधिकारी (संस्थागत) पल्लवी जाधव, पोस्टमास्टर राजीव होलीगोल, उप पोस्टमास्टर सी.बी. बुडगे, जनसंपर्क अधिकारी आर.एस. बोम्बाडे, ठाणे सूचना विश्लेषक उमेश आहरे, जिला बाल संरक्षण प्रकोष्ठ ठाणे बहुउद्देशीय कार्यकर्ता कृष्णा मोरे उपस्थित थे, ठाणे जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी नमिता शिंदे ने यह जानकारी दी।

ठाणे और उसके आसपास के इलाकों में यातायात की भीड़भाड़ तुरंत दूर करें : एकनाथ शिंदे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,ठाणे और उसके आसपास के इलाकों में यातायात की भीड़भाड़ से नागरिक बेहद परेशान हैं। सभी एजेंसियों को आपस में समन्वय स्थापित कर इस इलाके को यातायात की भीड़भाड़ से मुक्त करना चाहिए। साथ ही, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज निर्देश दिए कि सड़कों की तुरंत मरम्मत की जाए और गड्ढे पाटने के लिए उपलब्ध सर्वोत्तम तकनीक का उपयोग किया जाए। सभी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक में, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने यातायात की भीड़भाड़ की समस्या का समाधान न कर पाने पर स्पष्ट शब्दों में अपनी नाराजगी व्यक्त की। ठाणे में, कोपरी, माजीवाड़ा के साथ-साथ घोड़बंदर रोड, गायमुख घाट से फाउंटेन होटल, शिलफाटा इलाके में सुबह और शाम के व्यस्त समय में यातायात की भीड़भाड़ से नागरिक बेहद परेशान हैं। इस बारे में शिकायतें लगातार आ रही हैं और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक में सभी एजेंसियों को समन्वय स्थापित कर पूरे क्षेत्र को यातायात जाम से मुक्त बनाने के निर्देश दिए।इस बैठक में ठाणे के जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्णनाथ पंचाल, ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव, पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे, यातायात पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। लोक निर्माण विभाग के अधीक्षक अभियंता सिद्धार्थ तांबे को दूरभाष पर निर्देश दिए गए। गायमुख घाट में सड़क के कारण लगातार यातायात जाम की स्थिति बन रही है और इस समस्या का अभी तक समाधान नहीं हुआ है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस पर नाराजगी व्यक्त की। ठाणे, भिवंडी, शिलफाटा और कोपरी, इन चारों क्षेत्रों में यातायात की उचित योजना बनाकर यातायात जाम की समस्या को दूर किया जाना चाहिए। सड़कों की मरम्मत करते समय कार्य की गुणवत्ता अच्छी होनी चाहिए। सड़क पर गड्ढे नहीं बनने चाहिए। इस बात का कड़ाई से ध्यान रखा जाना चाहिए कि इन गड्ढों के कारण दुर्घटनाएँ न हों। यदि गड्ढों को साफ कर दिया जाए, तो यातायात को सुचारू बनाने में मदद मिलेगी। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने यह भी स्पष्ट किया कि गड्ढों को सर्वोत्तम उपलब्ध तकनीक का उपयोग करके समाप्त किया जाना चाहिए।

फास्ट ट्रैक

कांवड़ियों से भरी ट्रैक्टर ट्राली पलटी

स्टेयरिंग फेल होने से हुआ हादसा, सभी कांवड़िये सुरक्षित, ट्राली में डीजे रखा था

शाहजहांपुर, थाना अल्हागंज क्षेत्र में कांवड़ियों से भरी ट्रैक्टर ट्राली रोड किनारे गड्ढे में पलट गई। हादसा कोयला ज्ञानपुर के पास हुआ। ट्रैक्टर ट्राली में डीजे भी रखा था और कई कांवड़िये सवार थे। चालक ने पुलिस को बताया कि अचानक ट्रैक्टर का स्टेयरिंग काम करना बंद कर दिया। वह घबरा गया और ट्रैक्टर ट्राली सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। हादसे के समय ट्रैक्टर ट्राली की रफ्तार काफी कम थी। चालक के चिल्लाने पर कई लोग ट्राली से कूद गए। इससे सौभाग्य से किसी को चोट नहीं आई। सभी कांवड़िये पांचालघाट से जल लेकर गोला जा रहे थे। थाना प्रभारी ने बताया कि ट्रैक्टर ट्राली को निकलवाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने पुष्टि की कि हादसे में सभी कांवड़िये सुरक्षित हैं।

टेंडर प्रक्रिया में अनियमितताओं के विरोध में धरना

क्षेत्र पंचायत सदस्यों का आरोप, गैर-जनपद के अखबारों में छपी निविदा सूचना

शाहजहांपुर, कलान विकासखंड के मंदिर प्रांगण में सोमवार से क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने धरना प्रदर्शन और अनशन शुरू कर दिया है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि विकास खंड में टेंडर प्रक्रिया में अनियमितताएं की जा रही हैं। उनका कहना है कि निविदा प्रक्रिया को जानबूझकर गैर-पारदर्शी बनाया गया है। क्षेत्र पंचायत सदस्यों के अनुसार, सरकारी धनराशि का दुरुपयोग करने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने बताया कि निविदा संबंधी सूचना को स्थानीय समाचार पत्रों के बजाय गैर-जनपद के संस्करण में छपवाया गया है। इससे स्थानीय ठेकेदारों और जनता को निविदा प्रक्रिया की जानकारी नहीं मिल पाई है। क्षेत्र पंचायत सदस्य जवाहर यादव ने 2 अगस्त 2025 को संपूर्ण समाधान दिवस में इस मामले की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने ब्लॉक प्रमुख और बीडीओ पर निविदाओं को गैर-जनपद के समाचार पत्रों में प्रकाशित करवाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि इससे स्थानीय लोगों को जानकारी नहीं मिली और केवल चहेते ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने का रास्ता साफ हुआ। प्रदर्शनकारियों ने एक और गंभीर आरोप लगाया है। उनके अनुसार पहले से पूर्ण हो चुके कार्यों के लिए दोबारा निविदाएं निकाली जा रही हैं। प्रकाशित लिस्ट में नौ ऐसे काम शामिल हैं जो अच्छी स्थिति में हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि इन कार्यों का भी टेंडर निकालकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया जाएगा। प्रक्रिया में अनियमितता का एक और संकेत यह है कि निविदा का प्रकाशन 1 अगस्त 2025 को किया गया, लेकिन टेंडर की बिक्री 23 जुलाई 2025 से ही शुरू हो चुकी थी। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि निविदा संबंधी सूचना को स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जाए। साथ ही दोषियों के विरुद्ध जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाए। ये अनियमितताएं सरकारी धनराशि के दुरुपयोग की संभावना को दशार्ती हैं। इससे पंचायती राज व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठ रहे हैं।

प्रत्येक मेट्रो स्टेशन के अंतर्गत एक आरक्षित यात्री स्टॉप बनाएँ : प्रताप सरनाईक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणेः कपूरबावड़ी से घोड़बंदर मार्ग पर 8 मेट्रो स्टेशनों के अंतर्गत अलग-अलग यात्री स्टॉप बनाए जाएँ। ताकि मेट्रो से उतरने के बाद यात्रियों के लिए अतिरिक्त परिवहन व्यवस्था हो सके ! परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने संबंधित मेट्रो अधिकारियों को ये निर्देश दिए। वे मेट्रो स्टेशनों के निरीक्षण दौरे और विभिन्न संबंधित विकास कार्यों के संबंध में बोल रहे थे। इस अवसर पर ठाणे मनपा, मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण, परिवहन विभाग के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री सरनाईक ने कहा कि 5-6 साल पहले जब ठाणे मेट्रो का काम शुरू हुआ था, तब सर्विस रोड मुख्य सड़क के किनारे थी। लेकिन घोड़बंदर रोड पर बढ़ते यातायात की भीड़ को देखते हुए, उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से वर्तमान सर्विस रोड को मुख्य सड़क में मिलाने का अनुरोध किया ताकि घोड़बंदर रोड पर यातायात की भीड़ की समस्या का समाधान हो सके। इसके लिए 600 करोड़ रुपये का अतिरिक्त कोष उपलब्ध कराया गया। मंत्री सरनाईक ने यह भी निर्देश दिया कि मानसून के बाद काम शुरू किया जाना चाहिए और इस साल के अंत तक पूरा किया जाना चाहिए। हालांकि, नागरिकों की ओर से शिकायतें आने लगीं कि मेट्रो स्टेशन की सीढ़ियाँ सर्विस रोड और मुख्य सड़क के बीच स्थित हैं, जो भविष्य में यात्रियों के लिए खतरनाक हो सकती हैं। इस संबंध में भौतिक निरीक्षण करके समाधान खोजने के लिए इस दौरे की योजना बनाई गई थी। वर्तमान में, सर्विस रोड को मुख्य सड़क से जोड़ा जा रहा है, इसलिए सड़क की चौड़ाई बढ़ गई है। हालाँकि, जहाँ मेट्रो स्टेशन है, वहाँ यात्री उतरने वाली सीढ़ियों के साथ यात्रियों के लिए एक पूरक परिवहन प्रणाली बनाने की आवश्यकता है, इसलिए मांग की गई थी कि उक्त सर्विस रोड को उन यात्रियों के लिए एक अलग स्टॉप के रूप में विकसित किया जाए। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे प्रत्येक मेट्रो स्टेशन के नीचे एक सर्विस रोड आरक्षित करें और वहां यात्रियों के लिए एक पूरक परिवहन प्रणाली बनाएं ताकि एसटी बसों, सिटी बसों, रिक्शा और टैक्सियों के अलावा अन्य वाहन इस मार्ग पर न आएं। मुख्य सड़क के किनारे ऐसे नोटिस बोर्ड लगाए जाने चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को ऐसे निर्देश भी दिए। मंत्री सरनाईक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे उपरोक्त निर्देशों के अनुसार किए गए परिवर्तनों को 15 अगस्त तक उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में वॉकथ्रू के माध्यम से दिखाएँ और उनकी अनुमति से आगे का कार्य शुरू करें।

गल्ला व्यापारी हत्याकांड में चार आरोपी गिरफ्तार

रायबरेली पुलिस से मुठभेड़, पैर में गोली लगने से आरोपी घायल

रायबरेली, महारानीगंज में गल्ला व्यवसायी सुखदेव लोधी की हत्या और उनकी पत्नी पर हमले के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना खीरों को सूचना मिली थी कि महारानीगंज में 45 वर्षीय सुखदेव लोधी की हत्या कर दी गई है। घटना के समय सुखदेव अपनी पत्नी सरोजनी देवी के साथ छत पर सो रहे थे। अज्ञात हमलावरों ने सुखदेव को गोली मारकर हत्या कर दी। उन्होंने सरोजनी को भी गोली मारी और फरार हो गए। घायल सरोजनी को इलाज के लिए एम्स रायबरेली भेजा गया। मृतक के भाई आनंद पाल की शिकायत पर थाना खीरों में मुकदमा दर्ज किया गया। अपर पुलिस महानिदेशक लखनऊ सुजीत पांडेय और पुलिस महानिरीक्षक लखनऊ तरुण गाबा के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक रायबरेली डॉ. यशवीर सिंह के नेतृत्व में टीमें गठित की गईं। संयुक्त पुलिस टीम ने तकनीकी साधनों और मुखबिर की सूचना पर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

बिजली के करंट से युवक की मौत

तिलोई के राजभवन रोड पर हादसा, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

रायबरेली, राजभवन रोड पर एक दुखद घटना में सोहित पुत्र हरिप्रसाद की बिजली के करंट लगने से मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सोहित की मां बेटे का नाम पुकारते हुए बार-बार बेहोश हो रही हैं। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना तुरंत प्रशासन को दी। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

बिजली विभाग से भी जानकारी मांगी गई है कि किस कारण से यह दुर्घटना हुई। परिवार के सदस्यों को सांत्वना देने के लिए आसपास के लोग भी एकत्रित हुए हैं। स्थानीय निवासियों ने इलाके में बिजली के तारों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। प्रशासन ने परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

गलियों में घूमता मिला मगरमच्छ

युवकों ने कार में रात भर रखा बंद, सुबह वन विभाग को सौंपा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, मोहल्ला गदियाना में रविवार रात एक मगरमच्छ गलियों में घूमता हुआ मिला। कुत्तों के लगातार भौंकने पर स्थानीय लोगों ने बाहर निकलकर देखा तो मगरमच्छ को गलियों में घूमते पाया। मोहल्ले में लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय युवक जितिन यादव और जीवेंद्र वाजपेयी अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने मगरमच्छ को पकड़कर उसके मुंह को रस्सी से बांध दिया। इसके बाद युवक मगरमच्छ को कार में बंद करके मोहल्ला हयातपुरा स्थित अपने घर ले गए। युवकों ने पूरी रात मगरमच्छ को कार में ही रखा। सोमवार सुबह उन्होंने वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मगरमच्छ को अपने साथ ले गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, गदियाना मोहल्ले में खेत हैं और वहां एक बड़ा नाला है जो गर्रा नदी से जुड़ा है। बरसात के मौसम में मगरमच्छ नदी से नाले के रास्ते मोहल्ले की गलियों में पहुंच गया होगा। इस घटना की जानकारी लेने के लिए जब डीएफओ को फोन किया गया तो उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की।

किसान मजदूर संगठन का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

यूरिया और खाद्य की किल्लत का आरोप, थानों में न्याय न मिलने की शिकायत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। उन्होंने किसानों की समस्याओं को लेकर जमकर नारेबाजी की।

संगठन के जिलाध्यक्ष श्रवण सिंह (सिंधू) ने पदाधिकारियों के साथ ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि जिले में यूरिया और खाद्य की भारी किल्लत है। किसान तेज धूप में लंबी लाइनें लगाने के बावजूद खाद भी नहीं मिल पा रही है। उनका आरोप है कि खाद केवल उन्हीं लोगों को मिलती है जिनका खाद्य गोदाम प्रभारी, सचिव व अध्यक्ष से संपर्क है।

ये लोग सेटिंग करके खाद खरीद रहे हैं और उन्हें फोन कॉल पर ही खाद मिल जाती है। संगठन ने थानों में न्याय न मिलने का भी आरोप लगाया। उनके अनुसार थाने में पीड़ितों को इंस्पेक्टर दीवान के पास भेजा जाता है। वहां रुपयों की मांग की जाती है। प्रदर्शनकारियों ने बजाज हिंदुस्तान चीनी मिल मकसूदापुर द्वारा गन्ने का भुगतान किसानों को दिलाने की मांग की।

साथ ही किसानों के बैंक कर्ज माफ करने की भी मांग रखी। उन्होंने विकासखंडों में रिश्वतखोरी और दलाली का आरोप भी लगाया। उनके अनुसार ग्राम विकास अधिकारियों और ग्राम प्रधानों ने निजी तौर पर लोगों को नियुक्त कर रखा है।

एक विशेष मामले में बंडा की एक 80 प्रतिशत विकलांग महिला और उनकी 100 प्रतिशत विकलांग बेटी को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ न मिलने का मुद्दा भी उठाया गया। पदाधिकारियों ने सभी आरोपों के सबूत होने की बात कही है। प्रशासन ने समस्याओं पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

लखनऊ-सीतापुर हाइवे पर ओवरब्रिज के नीचे मिला शव, नहीं हुई शिनाख्त

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, अज्ञात वाहन की टक्कर से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। सोमवार को बुजुर्ग का शव लखनऊ-सीतापुर हाईवे पर अटसलिया ओवरब्रिज के नीचे मिला। राहगीरों की सूचना पर रोजा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को हाईवे किनारे किया और बुजुर्ग के कपड़ों की तलाशी ली। कपड़ों की जेब से कोई पहचान पत्र नहीं मिला जिससे उनकी शिनाख्त की जा सके। बुजुर्ग की उम्र लगभग 60 से 65 वर्ष के बीच आंकी गई है। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र के लोगों को मौके पर बुलाकर उसकी पहचान कराने की कोशिश की। साथ ही उसके फोटो खींचकर कई पुलिसकर्मियों को आसपास के गांवों में भेजा, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद पुलिस ने बुजुर्ग की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कर उसकी पहचान कराने में लोगों से सहयोग की अपील की है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

नाबालिग को बहलाकर भगाने वाला आरोपी तिलहर में पकड़ाया

पीड़िता के पिता की शिकायत पर पुलिस ने किया गिरफ्तार , लगाया पॉक्सो एक्ट

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, जनपद की निगोही पुलिस ने एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर ले जाने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता के पिता ने पीलीभीत जनपद के एक युवक के खिलाफ अपनी पुत्री को बहला-फुसलाकर ले जाने का मुकदमा दर्ज कराया था। इस शिकायत पर कार्रवाई करते हुए निगोही पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। निगोही पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित पिता ने पीलीभीत जनपद के थाना बिलसंडा क्षेत्र के गांव रामपुर अमृत निवासी मुलायम पुत्र ओमप्रकाश के विरुद्ध मामला दर्ज कराया था। आरोप था कि मुलायम उनकी पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। पुलिस की टीम ने थाना क्षेत्र के पुवायां रोड स्थित गांव इनायतपुर की पुलिया से आरोपी मुलायम को गिरफ्तार किया। उसे थाने लाकर विधिक कार्रवाई की गई है। विवेचना के दौरान मामले में पॉक्सो एक्ट की धाराएं भी जोड़ी गई हैं। इससे स्पष्ट होता है

कि पीड़िता नाबालिग है। पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर प्रियांक जैन ने बताया कि पिता की तहरीर के आधार पर दर्ज मुकदमे के आरोपी पीलीभीत जनपद के निवासी मुलायम को गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की कार्यवाही जांच पड़ताल एवं विवेचना के आधार पर की जाएगी।

मंदबुद्धि युवक की पिटाई के बाद मौत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक मंदबुद्धि व्यक्ति की पिटाई के बाद मौत का मामला सामने आया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। चौक कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बंगश में दो दिन पहले एक मंदबुद्धि व्यक्ति का शव मिला था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इसके बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें उसी व्यक्ति के साथ मारपीट होती दिख रही थी। वीडियो में दिख रहे आरोपी की पहचान नितिन के रूप में हुई जो मोहल्ला बंगश का ही रहने वाला है। पुलिस ने वीडियो सामने आते ही नितिन और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतक के शरीर पर कई जगह चोट के निशान मिले हैं। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी नितिन को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि मंदबुद्धि व्यक्ति उसके मोहल्ले की सड़क पर बिना कपड़ों के लेटा था।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

बांग्लादेश सरकार शेख हसीना के घर को म्यूजियम बनाएगी

15 साल इस घर में रहीं पूर्व पीएम, पिछले साल यहां तोड़फोड़-लूटमार हुई थी

एजेंसी

ढाका, बांग्लादेश सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पुराने आधिकारिक घर 'गणभवन' को म्यूजियम में बदलने का फैसला किया है। इसे 'जुलाई क्रांति स्मारक संग्रहालय' कहा जाएगा। शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान ने इस घर को फिर से बनवाया था। इससे पहले इस जगह को एस्टेट राजबाड़ी के नाम से जाना जाता था। गणभवन ढाका के शेर-ए-बांग्ला नगर में है, जो संसद भवन के पास है। बांग्लादेश सरकार इसे देश के नेता के आधिकारिक घर के रूप में इस्तेमाल करती थी। शेख हसीना 2010 में यहां रहने आई थीं और 5 अगस्त 2024 तक यानी 15 साल यही उनका घर रहा। पिछले साल उनके तख्तापलट के कुछ देर बाद ही यहां तोड़फोड़ और लूटमार शुरू हो गई थी। भीड़ ने यहां से साड़ियां, सजावटी सामान, घड़ियां, सोफे, लग्जरी

हैंडबैग, टेलीविजन, मछलियां और यहां तक कि महिलाओं के कपड़े तक लूट लिए थे। सोशल मीडिया पर लूट की तस्वीरें वायरल हो गईं थीं। बाद में अधिकारियों ने दावा किया कि लूटा गया सामान वापस कर दिया गया। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस की लीडरशिप वाली अंतरिम सरकार ने गणभवन को शेख हसीना के कुशासन की निशानी बताते हुए इसे म्यूजियम बनाने की घोषणा की। यह म्यूजियम पिछले साल की हिंसा में मारे गए प्रदर्शनकारियों की याद में बनाया जा रहा है। बांग्लादेश के संस्कृति मंत्रालय ने इस म्यूजियम के मैनेजमेंट के लिए 200 पदों का प्रस्ताव दिया है। बांग्लादेश में बीते एक साल से लगातार शेख हसीना और उनके पिता से जुड़ी कई निशानियों पर हमला किया जा रहा है। बीते 12 महीने में शेख मुजीब की मूर्ति को तोड़ा गया और कई सार्वजनिक स्थानों पर लगी नेमप्लेट को भी हटा दिया गया। इसके अलावा स्कूल की किताबों में उनसे जुड़े कई चैप्टर को बदला गया और नोट पर लगी तस्वीरों को भी हटा दिया गया। अंतरिम सरकार ने आजादी और संस्थापक से जुड़े दिनों की 8 सरकारी छुट्टियां भी कैंसिल कर दी थी। शेख मुजीबुर्रहमान बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति थे। वह 17 अप्रैल 1971 से लेकर 15 अगस्त 1975 तक देश के प्रधानमंत्री भी रहे थे।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता मुजीबुर्रहमान ने बांग्लादेश को पाकिस्तान से आजादी दिलाने में भी बड़ी भूमिका निभाई थी। 15 अगस्त 1975 को शेख मुजीबुर्रहमान की उनके घर पर ही हत्या कर दी गई थी। शेख हसीना पिछले साल 5 अगस्त को देश छोड़कर भारत आ गई थीं। दरअसल, उनके खिलाफ देशभर में छात्र प्रदर्शन कर रहे थे। बांग्लादेश में 5 जून को हाईकोर्ट ने जॉब में 30% कोटा सिस्टम लागू किया था, इस आरक्षण के खिलाफ ढाका में यूनिवर्सिटीज के स्टूडेंट्स प्रोटेस्ट कर रहे थे। यह आरक्षण स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को दिया जा रहा था। हालांकि हसीना सरकार ने यह आरक्षण बाद में खत्म कर दिया था। इसके बाद छात्र उनके इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करने लगे।

रूस के ऑयल डिपो पर यूक्रेन का ड्रोन अटैक

आग लगी; विस्फोट का वीडियो बनाने वाली दो रशियन लड़कियों को हिरासत में लिया

एजेंसी

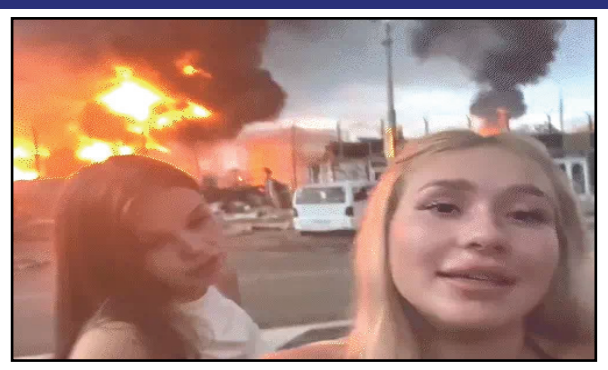

मॉस्को, यूक्रेन ने रविवार को रूस के सोची स्थित एक ऑयल डिपो पर ड्रोन से हमला किया। हमले के बाद डिपो में भीषण आग लग गई। क्रास्नोडार क्षेत्र के गवर्नर वेनियामिन कोंद्रात्येव ने बताया कि ड्रोन के मलबे के तेल टैंक से टकराने के बाद आग लगी, जिसे बुझाने के लिए 120 से ज्यादा दमकलकर्मी लगाए गए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में डिपो से उठते काले धुएं के गुबार देखे जा सकते हैं। हमले के बाद रूस की नागरिक उड्डयन एजेंसी रोसावियात्सिया ने कुछ समय के लिए सोची एयरपोर्ट पर उड़ानें रोक दीं। इस दौरान 2 रशियन लड़कियां

विस्फोट के साथ वीडियो बनाते हुए भी नजर आईं। दोनों के साथ बैकग्राउंड में एक युवक भी मौजूद था। रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, रशियन सेना ने शनिवार रात से रविवार सुबह तक रूस और ब्लैक सी के ऊपर यूक्रेन के 93 ड्रोन मार गिराए। हालांकि रूस के वोरोनेज क्षेत्र में एक और यूक्रेनी ड्रोन हमले में चार लोग घायल हो गए। दूसरी तरफ रूस भी लगातार यूक्रेन पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है। यूक्रेनी वायुसेना के मुताबिक शनिवार रात 2 अगस्त को रूस ने 76 ड्रोन और 7 मिसाइलें दागीं। इनमें से 60 ड्रोन और 1 मिसाइल को मार गिराया गया। बाकी 16 ड्रोन और 6 मिसाइलें आठ अलग-अलग जगहों पर गिरीं। इससे पहले 31 जुलाई को रूसी ड्रोन और मिसाइल हमले में यूक्रेन के 31 लोग मारे गए थे। इनमें 5 बच्चे शामिल थे, जबकि 150 से ज्यादा घायल हुए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन को शांति वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए 8 अगस्त तक का अल्टीमेटम दिया है।

ट्रम्प ने चेतावनी दी कि अगर कोई हल नहीं निकला तो रूस पर नए आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाएंगे। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि जुलाई में इस्तांबुल में हुई वार्ता के बाद रूस और यूक्रेन ने 1200 युद्ध बंदियों की अदला-बदली पर सहमति बनी है। रूस के साउदर्न फेडरल यूनिवर्सिटी (एसएफयू) के छात्रों ने दुनिया का पहला ऐसा ट्रेनिंग सिमुलेटर तैयार किया है जिसमें एंटी-ड्रोन राइफल और ड्रोन डिटेक्शन सिस्टम के साथ अभ्यास किया जा सकता है। यह एक वर्चुअल ट्रेनिंग प्लेटफॉर्म है जो असली ड्रोन युद्ध जैसी परिस्थितियों में काम करना सिखाता है। इसकी मदद से एंटी-ड्रोन राइफल का सही इस्तेमाल, ड्रोन डिटेक्टर से काम करना और तनाव भरी स्थिति में जल्द फैसले लेना सिखाया जाएगा।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का ट्रंप ने फिर लिया श्रेय

कहा- मैंने 5 युद्धों को कराया समाप्त

> ट्रम्प के नवीनतम दावे व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट के उस बयान के तुरंत बाद आए हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि राष्ट्रपति भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम सहित दुनिया भर में शांति समझौते कराने के लिए नोबेल शांति पुरस्कार के हकदार हैं।

एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दुनिया भर में संघर्षों को सुलझाने का श्रेय लिया, जिसमें भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव भी शामिल है। 10 मई से, ट्रंप बार-बार दावा कर रहे हैं कि उन्होंने कथित तौर पर वाशिंगटन की मध्यस्थता से हुई बातचीत के बाद दोनों परमाणु संपन्न पड़ोसियों के बीच पूर्ण और तत्काल युद्धविराम कराने में मदद की। हालांकि, भारत ने युद्धविराम में किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को बार-बार खारिज किया है और कहा है कि किसी भी विदेशी नेता ने भारत से अपने सैन्य अभियान रोकने के लिए नहीं कहा। ट्रम्प के नवीनतम दावे व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट के उस बयान के तुरंत बाद आए हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि राष्ट्रपति भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम सहित दुनिया भर में शांति समझौते कराने के लिए नोबेल शांति पुरस्कार के हकदार हैं। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर रेडियो होस्ट और लेखिका शारलेमेन द गॉड की आलोचना करते हुए एक पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा कि शारलेमेन ट्रंप की उपलब्धियों के बारे में कुछ नहीं जानतीं, जिसमें पाँच युद्धों का अंत भी शामिल है, जैसे कि कांगो गणराज्य और रवांडा के बीच 31 साल पुराना संघर्ष, जिसमें 70 लाख लोग मारे गए थे। ट्रंप ने आगे कहा, उन्हें यह सब नहीं पता था, न ही भारत और पाकिस्तान के बारे में, न ही ईरान की परमाणु क्षमताओं को खत्म करने के बारे में, न ही भयावह खुली सीमा को बंद करने के बारे में, न ही सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के बारे में। एक दिन पहले ही ट्रंप ने न्यूजमैक्स पर एक साक्षात्कार में कहा था कि उन्होंने बहुत सारे युद्धों को खत्म कराया है। ट्रंप ने कहा, अगर आप हाल में हुई घटनाओं पर नजर डालें, तो पाएंगे कि हमने कई मामलों को सुलझाया हैङ्क कई बेहद गंभीर युद्ध खत्म कराए हैंङ्क इनमें से एक युद्ध भारत और पाकिस्तान के बीच था, जिसमें परमाणु टकराव की आशंका थी। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने थाईलैंड और कंबोडिया के साथ-साथ कांगो और रवांडा के बीच संघर्ष को भी सुलझाया है। ट्रंप ने कहा, मैंने उस मामले को सुलझाया। और मैंने इसे व्यापार के जरिए सुलझाया। मैंने कई ऐसे मामलों को व्यापार की मदद से सुलझाया। मैंने कहा, सुनो, आप लोग लड़ सकते हो, जितना चाहे लड़ो, लेकिन हम कोई व्यापार समझौता नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा, अचानक वे लोग युद्ध रोक देते हैं। मैंने कई युद्ध सुलझाए हैं। मुझे लगता है कि मैंने औसतन हर महीने लगभग एक युद्ध को समाप्त कराया है। और इस तरह हम लाखों जानें बचा रहे हैं।

बाढ़ और बारिश से पाकिस्तान में हाहाकार

अब तक 299 लोगों की मौत, 140 बच्चे भी शामिल

एजेंसी

जून के अंत से पाकिस्तान के कई हिस्सों में आई अचानक बाढ़ और मूसलाधार बारिश के कारण हाहाकार मचा हुआ है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने बताया कि बाढ़ और बारिश के कारण 140 बच्चों सहित कम से कम 299 लोगों की मौत हो गई है और 700 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। एनडीएमए ने कहा कि 26 जून से शुरू हुई इस बाढ़ ने ₹पूरे देश में तबाही मचा दी है।₹ मरने

वालों में 102 पुरुष, 57 महिलाएं और 140 बच्चे शामिल हैं, जबकि घायलों में 239 बच्चे, 204 महिलाएं और 272 पुरुष शामिल हैं। डॉन के अनुसार, इस भीषण मौसम ने 1,676 घरों को भी नुकसान पहुँचाया है—जिनमें से 562 पूरी तरह से नष्ट हो गए और 1,114 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। बाढ़ के कारण 428 पशुधन भी मारे गए, जिससे प्रभावित समुदायों की मुश्किलें और बढ़ गईं। एनडीएमए ने पुष्टि की है कि उसने 223 बचाव अभियान चलाए हैं और बाढ़ प्रभावित इलाकों से 2,880 लोगों को सफलतापूर्वक निकाला है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, राहत कार्यों में 13,400 से ज्यादा जरूरी वस्तुओं का वितरण शामिल है,

> डॉन के अनुसार, इस भीषण मौसम ने 1,676 घरों को भी नुकसान पहुँचाया है—जिनमें से 562 पूरी तरह से नष्ट हो गए और 1,114 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। बाढ़ के कारण 428 पशुधन भी मारे गए, जिससे प्रभावित समुदायों की मुश्किलें और बढ़ गईं।

जिनमें 2,000 टेंट, 958 कंबल, 569 रजाईयाँ, 613 गद्दे और 1,100 से ज्यादा खाने के पैकेट शामिल हैं। इसके अलावा, अधिकारियों ने 1,282 किचन सेट, 350 लाइफ जैकेट, 1,122 हाइजीन किट, 2,170 तिरपाल और 146 डी-वाटरिंग पंप उपलब्ध कराए हैं।

चिराग पासवान ने राजद की मुस्लिम-यादव गठबंधन को लेकर तेजस्वी यादव पर कसा तंज

एजेंसी

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने सोमवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की मुस्लिम-यादव गठबंधन को लेकर तेजस्वी यादव पर तंज कसा। एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) प्रमुख पासवान ने कहा कि राजद के विपरीत, उनकी पार्टी की 'माई' व्यवस्था बिहार की ₹महिलाएं-युवा₹ (महिलाएं और युवा) के लिए है। पासवान ने कहा कि जबकि तेजस्वी यादव अपनी पार्टी की उसी पुरानी 'माई' (मुस्लिम-यादव) व्यवस्था को आगे बढ़ा रहे हैं। उनकी विचारधारा अलग है, जो सांप्रदायिकता और जातिवाद को बढ़ावा देती है। मेरी 'माई' व्यवस्था का मतलब 'महिलाएं-युवा' है।चिराग ने आगे कहा कि उनका विजन 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' है और दावा किया कि उनके पास राज्य की सभी समस्याओं का समाधान है। पासवान ने कहा कि मेरा विचार 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' के नारे के साथ बिहार का विकास करना है। मैंने इस पर व्यापक रूप से काम किया है। मेरे पास बिहार की सभी समस्याओं का समाधान है। साक्षात्कार के दौरान, उन्होंने बिहार में एक 'बड़ी भूमिका' निभाने और विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा व्यक्त की। बिहार में 'बड़ी

> पासवान ने कहा कि जबकि तेजस्वी यादव अपनी पार्टी की उसी पुरानी 'माई' (मुस्लिम-यादव) व्यवस्था को आगे बढ़ा रहे हैं। उनकी विचारधारा अलग है, जो सांप्रदायिकता और जातिवाद को बढ़ावा देती है। मेरी 'माई' व्यवस्था का मतलब 'महिलाएं-युवा' है।

भूमिका' के बारे में पूछे जाने पर, चिराग पासवान ने कहा कि अब वह ₹खुद को बिहार में देखते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं अब खुद को बिहार में ज्यादा देखता हूँ। जब आप 'भूमिका' का ज़िक्र करते हैं, तो इस पर कई सवालिया निशान लग जाते हैं। मेरी भूमिका गठबंधन के एक मजबूत समर्थक की होगी और बिहार को एक विकसित राज्य बनाने की होगी। चुनाव लड़ने की इच्छा जताते हुए उन्होंने कहा कि 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' का विजन केंद्र सरकार का हिस्सा बनकर पूरा नहीं हो सकता।उन्होंने कहा कि मैं बिहार विधानसभा चुनाव लड़ना चाहता हूँ। दिल्ली में पला-बढ़ा और मुंबई में काम करने के कारण, मैंने खुद देखा है कि कैसे बिहारी दूसरे राज्यों में कठिन परिस्थितियों में रहने को मजबूर हैं। मैंने बिहार के लोगों की स्थिति सुधारने के लिए बिहार लौटने का फैसला किया। केंद्र में 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' संभव नहीं है, मुझे बिहार लौटना होगा। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने की उम्मीद है।

रद्द नहीं होगी एससीसी परीक्षा, प्रभावित छात्रों को दोबारा मिल सकता है मौका

परीक्षा के दौरान, लगभग 5 लाख उम्मीदवारों ने परीक्षा दी

> अध्यक्ष ने कहा कि हम आंकड़ों का विश्लेषण कर रहे हैं। अगर हमें एक भी उम्मीदवार मिलता है जिसके साथ अन्याय हुआ है, तो हम उसके लिए दोबारा परीक्षा आयोजित करेंगे। एससीसी एक वैधानिक निकाय है जो मंत्रालयों, विभागों और अन्य सरकारी संगठनों में विभिन्न पदों के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित करता है।

एजेंसी

कर्मचारी चयन आयोग हाल ही में आयोजित चयन पद चरण 13 की परीक्षा रद्द नहीं करेगा, बल्कि उन प्रभावित उम्मीदवारों के लिए दोबारा परीक्षा आयोजित कर सकता है जिन्हें उचित अवसर से वंचित कर दिया गया था। यह बात आयोग के अध्यक्ष एस गोपालकृष्णन ने परीक्षा के दौरान कुप्रबंधन को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच सोमवार को कही। संगठन ने परीक्षा विक्रेता एडुक्विटी करियर टेक्नोलॉजीज को भी पत्र लिखकर 24 जुलाई से 1 अगस्त तक की परीक्षा अवधि के दौरान सामने आई सभी समस्याओं का समाधान करने को कहा है। अध्यक्ष ने कहा कि हम आंकड़ों का विश्लेषण कर रहे हैं। अगर हमें एक भी उम्मीदवार मिलता है जिसके साथ अन्याय हुआ है, तो हम उसके लिए दोबारा परीक्षा आयोजित करेंगे। एससीसी एक वैधानिक निकाय है जो मंत्रालयों, विभागों और अन्य सरकारी संगठनों में विभिन्न पदों के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित करता है। 24 जुलाई से 1 अगस्त के बीच 142 शहरों के 194 केंद्रों पर आयोजित चरण 13 की परीक्षा अचानक रद्द होने, सॉफ्टवेयर क्रैश होने, बायोमेट्रिक सत्यापन में विफलता और गलत केंद्र आवंटन जैसी समस्याओं से जूझती रही। परीक्षा के दौरान, लगभग 5 लाख उम्मीदवारों ने परीक्षा दी। इन व्यवधानों के कारण पिछले हफ़्ते दिल्ली भर में विरोध प्रदर्शनों की लहर दौड़ गई, जिससे हजारों उम्मीदवार सड़कों पर उतर आए और सोशल मीडिया पर भी तीखी प्रतिक्रिया हुई। एएनआई से बात करते हुए, अध्यक्ष ने तकनीकी गड़बड़ियों और उम्मीदवारों को दूर-दराज के केंद्र दिए जाने सहित कुप्रबंधन की बात स्वीकार की। उन्होंने आश्वासन दिया कि आने वाले महीनों में सभी समस्याओं का समाधान कर लिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, ₹हम आने वाले महीनों में सुधार करेंगे और योजना बनाएंगे।₹ अभ्यर्थियों की तत्काल चिंता को दूर करने के लिए, 2 अगस्त को तीन पालियों में अतिरिक्त परीक्षाएँ आयोजित की गईं। दो केंद्रों, एक दिल्ली (पवन गंगा) और दूसरा उत्तर प्रदेश (एजुकासा) में, परीक्षाएँ पूरी तरह रद्द कर दी गईं, जिससे लगभग 2,500 छात्र प्रभावित हुए। 2 अगस्त को, लगभग 16,600 अभ्यर्थियों को पुनः परीक्षा देनी थी, लेकिन केवल 8,048 अभ्यर्थी ही उपस्थित हुए, जो 60 प्रतिशत उपस्थिति दशार्ता है। अध्यक्ष ने कहा कि यदि आवश्यक हुआ, तो एसएससी प्रभावित अभ्यर्थियों के लिए एक और पुनः परीक्षा आयोजित करेगा।

लोकसभा में टीएमसी के नए नेता होंगे अभिषेक बनर्जी, सुदीप बंदोपाध्याय की लेंगे जगह

एजेंसी

एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सोमवार को अपने राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को लोकसभा में पार्टी का नया नेता नियुक्त किया। डायमंड हार्बर से तीन बार सांसद और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे बनर्जी वरिष्ठ नेता सुदीप बंदोपाध्याय का स्थान लेंगे। सूत्रों के

अनुसार, कोलकाता उत्तर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले बंदोपाध्याय को स्वास्थ्य संबंधी कारणों से पद से मुक्त कर दिया गया है।

72 घंटे की भूख हड़ताल पर बैठीं बीआरएस एमएलसी के कविता

एजेंसी

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की एमएलसी के कविता ने सोमवार को हैदराबाद के धरना चौक पर 72 घंटे की भूख हड़ताल शुरू की। उन्होंने तेलंगाना ओबीसी आरक्षण विधेयक को तत्काल पारित करने की मांग की, जो सरकारी नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों (बीसी) को 42% आरक्षण देता है। अपनी भूख हड़ताल से पहले एएनआई से बात करते हुए, कविता ने कांग्रेस और भाजपा दोनों पर तेलंगाना के ओबीसी के भाग्य से खेलने का आरोप लगाया।के कविता ने कहा कि हमने 72 घंटे की भूख हड़ताल शुरू कर दी है और मांग कर रही हैं कि ओबीसी के लिए 42% आरक्षण की गारंटी देने वाला तेलंगाना ओबीसी विधेयक, जो राष्ट्रपति के पास लंबित है, को तुरंत मंजूरी दी जाए। वैकल्पिक रूप से, राज्यपाल के स्तर पर एक अध्यादेश भी लंबित है; हम मांग करते हैं कि इसे तुरंत पारित किया जाए। कांग्रेस और भाजपा दोनों तेलंगाना के ओबीसी के भाग्य से खेल रही हैं। उन्होंने रविवार को अपनी भूख हड़ताल की घोषणा की और 42 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण देने के अपने चुनावी वादे को पूरा करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस पार्टी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा तेलंगाना के ओबीसी से झूठ बोल रही हैं। कांग्रेस ने चुनावों के दौरान ओबीसी के लिए 42% आरक्षण का वादा किया था। अब भाजपा कह रही है कि वह ओबीसी में मुसलमानों के न होने पर ही आरक्षण देगी। कांग्रेस ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजे गए 42% आरक्षण विधेयक में मुसलमान शामिल हैं या नहीं। कविता ने आगे कहा, ₹इन राष्ट्रीय दलों के झूठ को उजागर करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमें इन दोनों राष्ट्रीय दलों से किसी तरह की स्पष्टता मिले, मैंने कल सुबह 10 बजे से 72 घंटे की भूख हड़ताल करने का फैसला किया है, जो 7 अगस्त को सुबह 10 बजे समाप्त होगी।₹उन्होंने यह भी बताया कि सरकार ने उन्हें विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी, जिसके बाद उन्होंने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने आगे कहा, ₹सरकार ने मुझे अनुमति नहीं दी है। हमने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

पश्चिम रेलवे

शुद्धिपत्र

निविदा सूचना क्र. ईएल90/एमएक्स/2025-26/05. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 18.08.2025 को 15.00 बजे. **संशोधित तिथि एवं समय : 29.08.2025 को 12.00 बजे. बोली आरंभिक तिथि** : 04.08.2025. **संशोधित तिथि** : 15.08.2025. अन्य नियम व शर्तें यथावत रहेंगी. 0465

Like us on : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

बैटरी स्टोरेज सिस्टम का प्रावधान

वरि. डीईई/पी/बीसीटी, पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400 008 द्वारा **निविदा सूचना क्र. : ईएल-81-896-डब्ल्यूए-56(आर-2), दि. 30.07.2025 आमंत्रित की जाती है. कार्य एवं स्थान** : मुंबई मंडल – भाईंदर, वसई रोड, घोलवड, वलसाड और दोंडाईचा में अडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (एसीसी) बैटरी स्टोरेज सिस्टम का प्रावधान. कार्य की **अनुमानित लागत** : ₹ 1,77,00,000/-. **ईएमडी** : ₹ 2,38,500/-. **जमा करने की तिथि एवं समय** : 28.08.2025, 15.00 बजे तक. **खुलने की तिथि एवं समय** : 28.08.2025 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0454

Like us on: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

आपूर्ति, अधिष्ठापन, परीक्षण एवं क्रियान्वयन कार्य

वरि. डीएसटीई/उत्तर/मुंबई सेंट्रल, 2री मंजिल, मंडल रेल प्रबंधक का कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400008 द्वारा **निविदा सूचना क्र. : एसजी_216_2_115_डब्ल्यूए, दि. 30.07.2025 आमंत्रित की जाती है. कार्य एवं स्थान** : मुंबई मंडल के उधना – जलगांव अनुबाग में दोषपूर्ण/कालबाह्य मिडलाइफ सिग्नलिंग गियर्स का प्रतिस्थापन और विश्वसनीयता सुधार के कार्य के संबंध में सिग्नलिंग आइटमों की आपूर्ति, अधिष्ठापन, परीक्षण एवं क्रियान्वयन. **कार्य की अनुमानित लागत** : ₹ 7,11,60,490.35. **ईएमडी** : ₹ 5,05,800/-. **जमा करने की तिथि एवं समय** : 01.09.2025, 15.00 बजे तक, खुलने की तिथि एवं समय : 01.09.2025 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0455

Like us on: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

टेलीकॉम नेटवर्क बैकबोन अपग्रेडेशन

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता (सीओ), 2री मंजिल, मंडल रेल प्रबंधक का कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400 008 द्वारा **निविदा सूचना क्र. : डब्ल्यूआर-एमएमसीटी-एसएनटी-एसटीटीडी-21-2025, दि. 31.07.2025 आमंत्रित की जाती है. कार्य का नाम** : मुंबई मंडल टेलीकॉम नेटवर्क बैकबोन अपग्रेडेशन. **कार्य की लागत** : रु. 9,69,57,244.36. **बोली सुरक्षा** : रु. 6,34,800/-. **जमा करने की तिथि एवं समय** : 25.08.2025 को 15.00 बजे तक. खुलने की तिथि एवं समय : 25.08.2025 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0457

Like us on: facebook.com/WesternRly

संक्षेप

सुलतानपुर में हुई विशेष बैठक

भाजपा जिलाध्यक्ष ने पीपरगांव मंडल में कार्यकताओं को दिए संगठनात्मक टिप्स

सुलतानपुर, भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील कुमार त्रिपाठी ने इसौली विधानसभा क्षेत्र के चकफाजिलपुर में एक बैठक की। बैठक में जिला मंत्री प्रदीप शुक्ला और महिला मोर्चा काशी प्रांत महामंत्री बविता तिवारी भी मौजूद रहीं। बैठक मंडल महामंत्री अमन वर्मा के आवास पर आयोजित की गई। इसमें मंडल अध्यक्ष जग प्रसाद वर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रदीप पाण्डेय, अवधेश दुबे, मंडल उपाध्यक्ष सौरभ मिश्र, मंडल महामंत्री स्वामीनाथ पाण्डेय, जयकरन वर्मा और मंडल उपाध्यक्ष तिलक राज मौर्य सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे। जिलाध्यक्ष त्रिपाठी ने कार्यकताओं को पीपरगांव मंडल को और अधिक मजबूत बनाने के लिए महत्वपूर्ण संगठनात्मक सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन ही पार्टी को जीत दिलाता है। कार्यक्रम के दौरान मंडल महामंत्री अमन वर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने जिलाध्यक्ष सुशील कुमार त्रिपाठी को अंग वस्त्र और भगवान की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित भी किया।

हरिहरपुर जगत बाबा मंदिर में भक्तों ने किया जलाभिषेक

बरसात के बीच भक्तों ने बेलपत्र, पुष्प और चंदन से की भोलेनाथ की पूजा

सुलतानपुर, शिवगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्थित हरिहरपुर जगत बाबा मंदिर पर आज चौथे सोमवार को भक्तों ने विशेष पूजा-अर्चना की। बरसात के बीच भक्तों ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। लगभग 500 वर्ष पुराने इस मंदिर पर भक्तों ने बेलपत्र, पुष्प, चंदन, रोली, भांग और धतूरा सहित अन्य पूजा सामग्रियों से विधिवत पूजा संपन्न की। यह मंदिर क्षेत्र में आस्था का प्रमुख केंद्र है। मंदिर पर विशेष रूप से शनिवार और सोमवार को पूजा-अर्चना का आयोजन होता है। पुजारी अशोक गिरी की देखरेख में यहां सभी धार्मिक गतिविधियां संचालित होती हैं। वही मंदिर का देखरेख भी करते हैं। सावन के चौथे सोमवार पर भक्तों की विशेष भीड़ देखी गई।

बिजली कटौती से ग्रामीण परेशान

शंकरगढ़ फिटर के कई गांवों में 6 से 8 घंटे तक बिजली गुल

सुलतानपुर, शंकरगढ़ फिटर से बिजली आपूर्ति पाने वाले कई गांवों में बिजली कटौती से लोग परेशान हैं। ग्राम सभा सेवरा के निवासियों का कहना है कि बिजली न मिलने से वे पूरी रात सो नहीं पाए। इस समस्या से प्रभावित गांवों में लादी का पुरवा, चरथाई, खजुहा, रुपीपुर, गया दत्त का पुरवा और अन्य कई ग्राम शामिल हैं। इन सभी क्षेत्रों में 6 से 8 घंटे तक बिजली नहीं आ रही है, जिससे उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

गंगा-यमुना डेंजर लेवल से करीब 1 मीटर ऊपर

प्रयागराज में 24 घंटे में 54 सेमी बढ़ा गंगा का जलस्तर ; 107 गांव-मोहल्लों में बाढ़

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, गंगा और यमुना के जलस्तर में कमी नहीं बल्कि लगातार वृद्धि हो रही है। पिछले 24 घंटे में गंगा 54सेमी बढ़ गई हैं। गंगा का जलस्तर फाफामऊ 85.96 मीटर दर्ज किया गया। यहां डेंजर लेवल 84.73 मीटर है, यानी जलस्तर वाटर लेवल से 1.23 मीटर ऊपर है। छतनाग में जलस्तर 85.32 मीटर रिकॉर्ड हुआ, यहां डेंजर लेवल 84.73 मीटर है। यहां डेंजर लेवल से जलस्तर 59 सेमी ऊपर है। इसी तरह यमुना नदी का जलस्तर नैनी में 85.06 मीटर रिकॉर्ड किया गया। यहां डेंजर लेवल 84.73 मीटर है। ऐसे में डेंजर लेवल से जलस्तर 33 सेमी ऊपर है। जिला प्रशासन के आंकड़ों के मुताबिक, अभी तक 107 गांव व मोहल्ले बाढ़ से प्रभावित हैं। इसमें सबसे ज्यादा सदर के 47 गांव व मोहल्ले हैं। कछार मऊ/सरैया, राजापुर देह माफी, असदुल्लापुर मो.बाद, बेली कछार, बेली उपरहार, बघाड़ा जहरूद्दीन, बघाड़ा बालन, मेहदौरी कछार, शिवकुटी, चांदपुर सलोरी उपरहार, सादियाबाद कछार, चिल्लापटटी, अराजी बारूद खाना कछार, आराजी जोधवल, अराजी बारूद खाना उपरहार, गोविंदपुर, चांदपुर सलोरी कछार, बकशी उपरहार, बकशी कछार, बभनपटटी कछार, बराही पटटी कछार, मुस्तफा बाद मुंस्कसमा, सराय मौज उर्फ कीडगंज, बखतियारा, दरियाबाद, मेहदौरी उपरहार, म्योराबाद, नकौली कछार, कछार भिखी सराय, नकौली उपरहार, नेवादा, बम्रौली कछार, असरौली कछार, गोहटी कछार, गोहटी उपरहार, करैली, करैला बाग, मैनापुर, असरावलखुर्द, फतेहपूर घाट, उझिली पटटी, चकसेरखां, लखनपुर, आदमपुर मदारीपुर, जोंदवल एवं फुलवा शामिल हैं। सोनौटी, बदरा, धोकरी, भदकार, लीलापुर, पुरे सूरदारपूर, कोहना, हवेलिया, बहादुरपूर, शेरडीह, उस्तापुर, महमूदाबाद, नीबीकला, छिबैया, ककड़ उपरहार, दुबावल, कोतारी एवं कालीकट।

प्रयागराज से बाबा विश्वनाथ तक स्केटिंग से कांवड़ यात्रा

सेना में भर्ती की मन्नत लेकर निकले भक्त

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, बनारस तक कांवड़ यात्रा में सावन के महीने में आस्था के अनोखे रंग देखने को मिल रहे हैं। कोई नंगे पांव, कोई सिर पर कांवड़ उठाए तो कोई अनोखे तरीके से अपनी मन्नत पूरी कर रहा है। इस बार 13 साल का शिवम निषाद सबसे अलग नजर आया है। वह स्केटिंग शूज पहनकर बाबा विश्वनाथ को जल चढ़ाने निकल पड़ा है। शिवम प्रयागराज से करीब 110 किलोमीटर की दूरी स्केटिंग करते हुए तय कर रहा है। उसके साथ उसका पिता, भाई और चाचा पैदल चल रहे हैं। शिवम ने बताया, दो साल पहले यूट्यूब पर बच्चों को स्केटिंग करते देखा, तो मुझे भी करने का मन हुआ। पापा से पैसे लेकर स्केटिंग शूज खरीदे। फिर बाबा से मन्नत मांगी थी। अब उसी शूज से कांवड़ लेकर जा रहा हूँ। शिवम के भाई शनि निषाद ने बताया कि कुछ समय पहले शिवम को एक गंभीर बीमारी हो गई थी। डॉक्टरों ने उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन बाबा विश्वनाथ से मन्नत मांगी और शिवम धीरे-धीरे ठीक हो गया। मन्नत पूरी होने पर अब पूरा परिवार पैदल कांवड़ यात्रा पर है। सिर्फ शिवम ही नहीं, इस रास्ते पर कई भक्त अपनी-अपनी मन्नतें लेकर चल रहे हैं। कोई सेना में अफसर बनने की मन्नत लिए तो कोई परीक्षा में टॉप करने की कामना लेकर कांवड़ उठा रहा है। सैदपुर की दो बहनें रीता और सरिता निषाद भी अपने पिता भोले निषाद के साथ पैदल यात्रा पर निकली हैं। रीता ने बताया, मां और पापा की तबीयत बहुत खराब थी। बाबा से वादा किया था कि ठीक हो जाएं तो कांवड़ चढ़ाएंगे। अब वो ठीक हैं तो वादा निभा रहे हैं। सरिता ने कहा, रास्ते की मुश्किलें हमारे इरादों के आगे कुछ नहीं हैं। बाबा की भक्ति ही हमारी ताकत है। सावन की इस यात्रा में हर कदम पर भक्ति, मन्नत और आस्था के रंग बिखरे हैं और हर भक्त अपने तरीके से बाबा तक पहुंचने की कोशिश में है।

रक्षाबंधन पर मिलावट रोकने के लिए खाद्य विभाग की बैठक

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल प्रदेश मंत्री ने व्यापारियों को दिए स्वच्छता-मानकों के निर्देश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, रक्षाबंधन त्योहार के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा और व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की मांग पर एक अहम बैठक आयोजित की गई। प्रदेश मंत्री समीर कुरैशी के नेतृत्व में जिलाधिकारी के निर्देश पर यह जागरूकता बैठक जगदीशपुर के एक निजी हॉल में सोमवार को संपन्न हुई। बैठक में जिला खाद्य अधिकारी सतीश शुक्ला, एफएसओ अमित प्रसाद वर्मा और एफएसओ पूजा गुप्ता ने व्यापारियों को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने स्वच्छता, खाद्य मानकों, मिलावटी खोया से बचाव और मिठाई में रंगों की अधिकता के बारे में बताया। साथ ही मांस दुकानों पर हाइजीन के महत्व पर भी प्रकाश डाला। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि उपभोक्ताओं की सेहत से जुड़ा यह विषय अत्यंत संवेदनशील है। उन्होंने सभी दुकानदारों से तय मानकों का पालन करने का आग्रह किया। इसके साथ ही अधिकारियों ने यह भी आश्वासन दिया कि व्यापारियों का अनावश्यक उत्पीड़न न हो। विभाग ने कहा कि वे इस मामले में पूरी तरह संवेदनशील हैं।

लगातार बारिश के बीच आपदा प्रबंधन की समीक्षा

सुलतानपुर में एडीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश, गोमती नदी के किनारे के गांवों पर रखें नजर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, जनपद में पिछले 72 घंटों से हो रही लगातार बारिश के मद्देनजर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व एस. सुधाकरन ने आज सभी उप जिलाधिकारियों और तहसीलदारों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दैवीय आपदा व राजस्व प्रकरणों की सघन समीक्षा की। बैठक में एडीएम ने सभी लेखपालों को क्षेत्र में भ्रमणशील रहने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से गोमती नदी किनारे के ग्रामों में जलभराव की स्थिति पर नजर रखने और आवश्यकतानुसार त्वरित कार्रवाई करने को कहा। साथ ही उप जिलाधिकारियों और तहसीलदारों को भी स्वयं ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण करने के निर्देश दिए गए। जिला पंचायत राज अधिकारी को जहां भी जलभराव की स्थिति है, वहां तत्काल जल निकासी की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि 1 जून से 3 अगस्त तक जनपद में 348 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जो सामान्य से 17% कम है। वर्तमान में गोमती नदी का जलस्तर 79.29 मीटर है, जो खतरे के निशान 84.73 मीटर से काफी नीचे है। फिर भी सावधानी बरतते हुए कच्चे या जर्जर मकानों में रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी गई है। बारिश के मौसम में सर्पदंश की घटनाओं को देखते हुए अस्पतालों में पर्याप्त एंटी स्नेक वेनम की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

सरकारी स्कूल में लाइब्रेरी का ताल तोड़कर चावल-गेहूं चोरी

दो दिनों में दूसरी घटना; प्रधानाध्यापक ने संग्रामपुर पुलिस को दी शिकायत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, संग्रामपुर क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय पूरे मुहिबशाह में सोमवार को दो दिनों के अंदर दो बार चोरी हुई है। प्रधानाध्यापक सुमिता अधिकारी ने दोनों घटनाओं की लिखित शिकायत संग्रामपुर पुलिस को सौंपी है। अज्ञात चोरों ने विद्यालय की लाइब्रेरी का ताला तोड़कर एक बंडल चटाई, दो बोरी चावल और एक बोरी गेहूं चुरा लिए थे। दूसरी चोरी रविवार की रात को हुई। चोरों ने विद्यालय के मुख्य भवन का ताला और कुंडी तोड़कर एक बोरी गेहूं, एक बोरी चावल और दो कुर्सियां चुरा लीं। प्रधानाध्यापक ने पुलिस से जल्द कार्रवाई की मांग की है। स्कूल में बार-बार हो रही चोरी से शिक्षकों और प्रशासन में चिंता बढ़ गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि शिकायती पत्र मिला है जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

करंट लगने से युवक की मौत

नहाने के बाद बोर्ड का स्विच बंद करते समय हादसा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी , जिले के तिलोई कस्बे में एक दुखद घटना में 21 वर्षीय सोहित कुमार गौतम की करंट लगने से मौत हो गई। हरिप्रसाद गौतम के पुत्र सोहित नहाने के बाद बिजली का स्विच बंद करने गए थे जब यह हादसा हुआ। करंट लगते ही सोहित जमीन पर गिर पड़े और बेहोश हो गए। परिजन तुरंत उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तिलोई ले गए। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर मोहनगंज थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और बताया कि जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। सोहित अपने परिवार का सबसे मेहनती और जिम्मेदार युवक बताए जाते थे। वह अपने पिता के साथ राज मिस्त्री का काम करते थे। साथ ही इलेक्ट्रिकल कार्यों में भी रुचि रखते थे। वह अक्सर घर के छोटे-मोटे बिजली मरम्मत के काम स्वयं करते थे। इस दुखद घटना से पूरे तिलोई कस्बे में शोक की लहर है। गांव के लोग और रिश्तेदार बड़ी संख्या में मृतक के घर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त कर रहे हैं।

ग्रामीणों ने प्रशासन से शोक संतप्त परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की है।

पुलिस ने 2 बाल अपचारी सहित 6 लुटेरे पकड़े

डेढ़ लाख के नकली नोट, बाइक-स्कूटी और 4 तमंचे-कारतूस के साथ कार बरामद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, यूपी के जिला अलीगढ़ के थाना खैर इलाके में पुलिस ने 6 लुटेरों को पकड़ लिया। इनमे दो बाल अपचारी भी शामिल हैं। पुलिस को इनके पास से भारी मात्रा में नकली नोटों के अलावा लूटी गई बाइक, स्कूटी मिली है। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त कार और तमंचा कारतूस भी मिले हैं। दो लूट की घटनाओ का भी खुलासा किया है। पुलिस सभी के खिलाफ कार्यवाही कर कोर्ट में पेश करेगी। सीओ खैर वरुण कुमार सिंह ने बताया कि लूटेरों को नाइल बांकनेर रोड नगर पालिका की दीवार के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में अपनी पहचान अमित पुत्र राम खिलाड़ी निवासी मार बीन वाली गली मोहल्ला नगला कलार, शिवम उर्फ शिवा पुत्र महाराज सिंह निवासी खेरेश्वर मंदिर के पास थाना रोरावर, लकी उर्फ रोमियो पुत्र नवरत्न सिंह निवासी सूत मिल चौराहा, विशाल पुत्र सतीश निवासी बाल्मिक बस्ती नगला कलार के रूप में बताई। जबकि इनके अलावा दो बाल अपचारी भी हैं। पुलिस को इनके पास से 1 लाख 45 हजार 200 के नकली नोट, एक लूटी गई बाइक और स्कूटी एक्टिवा के अलावा चार तमंचा, आठ जिन्दा कारतूस मिले हैं। घटना में प्रयुक्त एक कार भी बरामद हुई है। पूछताछ के दौरान अमित व अन्य लुटेरों ने स्वीकार किया कि प्रिंटर द्वारा नकली नोट छाप कर अपना जेब खर्च चलाते हैं। सीओ खैर वरुण कुमार सिंह ने आगे बताया कि लुटेरों को नगर पालिका की दीवार के पास से गिरफ्तार किया है। 25 जुलाई की रात्रि सोमना रोड पर एक व्यक्ति से बाइक और फोन लूटा था। जबकि शहर के कठपुला पर दूसरे व्यक्ति से फोन व स्कूटी लूटी थी। लूटे गए दोनो वाहन बरामद कर लिए गए हैं। इनमें अमित के खिलाफ एक, शिवम के खिलाफ दो और लकी उर्फ रोमियो के खिलाफ 3 मुकदमे दर्ज हैं। सभी के बारे में अन्य जानकारी जुटाई जा रही है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर मची चीख पुकार

रोडवेज बस में पीछे से घुसी टाटा 407, चालक को नींद आने पर हुआ हादसा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, यमुना एक्सप्रेसवे पर एक हादसा होते-होते टल गया। एक्सप्रेसवे के माइलस्टोन संख्या 67 पर आगरा से नोएडा की ओर जा रही रोडवेज बस सवारियां उतारने के लिए रुकी थी। तभी पीछे से आ रही टाटा 407 बस में जा घुसी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी तेज थी कि टाटा 407 का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे का कारण चालक को नींद आना बताया जा रहा है। टाटा 407 के चालक राजकुमार पुत्र पोलाराम को इस हादसे में हल्की चोटें आईं। उन्हें मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया। जैसे ही बस में पीछे से टक्कर लगी, बस में बैठी सवारियों में चीख-पुकार मच गई। राहत की बात यह रही कि रोडवेज बस में बैठे सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित रहे। घटना के बाद यात्रियों में कुछ समय के लिए घबराहट का माहौल रहा। हालात बाद में सामान्य हो गए।

हादसे की सूचना मिलते ही बाजना कट चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों वाहनों को सुरक्षित रूप से चौकी यार्ड में खड़ा करा दिया गया है।

लम्भुआ जीआरपी ने चलाया सघन चेकिंग अभियान

रेलवे स्टेशन पर अवैध तंबू हटाए, यात्रियों से की पूछताछ

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुल्तानपुर, सुल्तानपुर के लम्भुआ रेलवे स्टेशन पर सोमवार को जीआरपी ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। लम्भुआ जीआरपी चौकी प्रभारी ए एस खान के नेतृत्व में यह अभियान प्लेटफार्म नंबर दो पर चलाया गया। अभियान के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से यात्रियों से पूछताछ की गई। इस दौरान सिपाही एच एल मीणा भी मौके पर मौजूद रहे। जीआरपी टीम ने देखा कि रेलवे प्लेटफार्म पर कुछ लोग तंबू लगाकर अवैध रूप से निवास कर रहे थे। जीआरपी ने इन अवैध तंबुओं को हटवाया और प्लेटफार्म को खाली कराया। तंबू लगाने वाले लोगों को दोबारा ऐसा न करने की हिदायत भी दी गई।

महिला के ट्रेन से कटे दोनों पैर

बेटे की तालाब में डूबकर मौत, बारिश में डूबा घर, फिर भी नहीं मिला आवास

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी , जिले के सिंहपुर ब्लॉक के ग्राम कुकहा रामपुर में प्रतिभा सिंह पिछले कई वर्षों से आवास के लिए संघर्ष कर रही हैं। प्रधान और प्रशासनिक लापरवाही के कारण उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अब तक घर नहीं मिल सका है। जनवरी माह में प्रतिभा के दोनों पैर ट्रेन दुर्घटना में कट गए। इस हादसे के मात्र एक महीने बाद उनके 14 वर्षीय बेटे की तालाब में डूबने से मृत्यु हो गई। वर्तमान में उनका परिवार अत्यंत दयनीय स्थिति में जीवन यापन कर रहा है। प्रतिभा के परिवार में पति वेद प्रकाश सिंह, 8 वर्षीय बेटा और 5 वर्षीय बेटी हैं। यह परिवार कच्चे और जर्जर छप्पर के नीचे रहने को मजबूर है। बारिश के मौसम में उनके घर में पानी भर जाता है जिससे वे बेघर होने को विवश हैं। ग्राम प्रधान अशोक पासी और उनके प्रतिनिधि ने रिपोर्ट में इस परिवार को आवास के लिए पात्र बताया था। इसके बावजूद आज तक इन्हें आवास स्वीकृत नहीं किया गया है। कई बार गुहार लगाने के बाद भी अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी ,एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग,कुर्ला (प)मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई ,ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी